नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने शुक्रवार को एर्एंं ळङण ॐ 2024 को स्थगित करने की घोषणा की है। 21 जून को जारी एक आधिकारिक नोटिस में एजेंसी ने घोषणा की कि 25 से 27 जून के बीच निर्धारित सीएसआईआर यूजीसी नेट को अगली सूचना तक स्थगित कर दिया गया है

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:191 दिनांक:22-06-2024 शनिवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

भारत के साथ-साथ पूरा विश्व आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बारिश के चलते डल झील के किनारे के बजाय शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर (एख्ख्ण) हॉल में योगा किया।

एनटीए ने सीएसआईआर-यूजीसी-नेट परीक्षा को स्थगित किया

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने सीएसआईआर-यूजीसी-नेट परीक्षा को स्थगित करने का फैसला किया है। एजेंसी ने इसके पीछे लॉजिस्टिक के मुद्दे को वजह बताया है। गौरतलब है कि यह परीक्षा 25 जून से 27 जून के बीच होनी थी।

एनटीए ने कहा कि कुछ अपरिहार्य परिस्थितियों और संचालन से जुड़े मुद्दों के कारण इस परीक्षा को स्थगित किया जा रहा है। परीक्षा का संशोधित शेडयूल जल्द ही आधिकारिक वेबसाइट के जरिए जारी किया जाएगा।

संयुक्त सीएसआईआर-यूजीसी नेट परीक्षा जून-2024, जूनियर रिसर्च फेलोशिप के पुरस्कार और सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति और पीएचडी में प्रवेश के लिए भारतीय नागरिकों की पात्रता निर्धारित करने के लिए एक परीक्षा है।

गौरतलब है कि शिक्षा मंत्रालय ने हाल ही में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित कराई गई यूजीसी-नेट परीक्षा को रद्द करने का एलान किया था। परीक्षा आयोजित होने के एक दिन बाद ही सरकार ने परीक्षा रद्द करने का एलान कर सभी को चौंका दिया था। एनटीए द्वारा कराई जाने वाली नीट की मेडिकल एंट्रेस परीक्षा पहले ही सवालों के घेरे में है और फिलहाल सुप्रीम कोर्ट इसकी समीक्षा कर रहा है। अब सीएसआईआर-यूजीसी-नेट की परीक्षा स्थगित होने से गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आप और हम जिस इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं, इस सरफेस वेब या ओपन वेब कहते हैं। यह कुल इंटरनेट का केवल 4 फीसदी हिस्सा ही है। इंटरनेट का 96 फीसदी हिस्सा डार्क वेब है। यह इंटरनेट का एक एन्क्रिप्टेड हिस्सा है जो आम लोगों को दिखाई नहीं देता। इस गूगल और याहू जैसे सर्च इंजन से एक्सेस नहीं किया जा सकता। इस तक पहुंचने के लिए टॉर जैसे विशेष ब्राउजर या कस्टम सॉफ्टवेयर की जरूरत होती है। जैसे सरफेस इंटरनेट की वेबसाइट्स के एड्रेस के पीछे डॉट कॉम या डाट इन लगा होता है, वैसे ही डार्क वेब पर बनी ज्यादातर वेबसाइट्स के पीछे डॉट ओनियन होता है।

डार्क वेब का इस्तेमाल करने वाले यूजर की पहचान करना बहुत मुश्किल होता है। डार्क वेब पर मौजूद वेबसाइटों, फोरम, और मार्केटप्लेस को टॉर एन्क्रिप्शन टूल की मदद से छिपा दिया जाता है। इसकारण इन तक आम सर्च इंजन से नहीं पहुंचा जा सकता। डार्क वेब पर मौजूद वेबसाइटों पर यूजर की जानकारी एन्क्रिप्टेड होती है, इस डिकोड करना नामुमकिन होता है।

नीट पेपर लीक मामले के तार बिहार से निकलकर रांची पहुंचे ,एक दिन पहले पहुंच गया था पेपर

रांची (ईएमएस)। नीट पेपर लीक मामले में बिहार ईओयू की जांच जैसे जैसे आगे बढ़ रही है, नए-नए खुलासे आ रहे हैं। अब पेपर लीक कराने का यह जाल देशभर में फैलता दिख रहा छ्रष्ठ जांच के दौरान ईओयू के हाथ जो नया फैक्ट लगा है, उसमें यह कड़ी अब झारखंड तक जा पहुंची है। सूत्रों ने बताया कि पटना ही नहीं, नीट का पेपर लीक होकर एक दिन पहले रांची तक भी पहुंच गया था।

सूत्र बता रहे हैं कि रांची में भी कई परीक्षार्थियों के पास एक दिन पहले नीट का पेपर गया था। नीट पेपर लीक कांड में ईओयू की जांच गिरफ्तार आरोपितों और अभ्यर्थियों के आसपास ही घूम रही है। जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है गिरोह का नेटवर्क देशभर में फैला हुआ दिख रहा है।

जांच में सामने आया है कि रांची शहर के कांके इलाके में रिंग रोड में एक से तीन मई के बीच कई अभ्यर्थियों और अभिभावकों बुलाया गया था। यहां के होटल में पेपर लीक गिरोह के सदस्यों ने बैठक की थी। जांच में यह पता चला है कि नीट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार अभ्यर्थी अभिषेक के पिता और सिकंदर भी उस बैठक में शामिल हुए थे। जांच में पता चला है कि सिकंदर का उस होटल में पहले से आना जाना था।

पेपर लीक मामला: केंद्र ने एनटीए के कामकाज पर उच्च स्तरीय पैनल किया गठित

-सरकार छात्रों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है: शिक्षा मंत्री प्रधान

नई दिल्ली,(ईएमएस)। यूजीसी नेट पेपर रद्द होने और एनईईटी पेपर लीक को लेकर मचे बचाल और आलोचनाओं के बीच केंद्र सरकार ने अनियमितताओं के लिए नैतिक जिम्मेदारी ली और घोषणा की है कि एनटीए के कामकाज पर एक उच्चस्तरीय पैनल का गठन किया जाएगा।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि एनटीए, इसकी संरचना, कामकाज, परीक्षा प्रक्रिया, पारदर्शिता और डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल को और बेहतर बनाने के लिए उच्च-स्तरीय समिति से सिफारिशें अपेक्षित है। बिहार में नीट पेपर लीक मुद्दे पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि हम नीट यूजी पेपर लीक मामले में बिहार सरकार के संपर्क में हैं। पूरी रिपोर्ट जल्द ही उपलब्ध कराई जाएगी। सभी अपराधियों को दंडित किया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार छात्रों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। हम पारदर्शिता से समझौता नहीं करेंगे।

प्रधान की यह टिप्पणी कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी द्वारा इस मुद्दे पर सरकार और पीएम पर हमला करने के कुछ घंटों बाद आई। उन्होंने जोर देकर कहा कि छिटपुट घटनाओं का असर छात्रों के करियर पर न पड़ने देंगे।

नीट मुद्दे और यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने के संबंध में गांधी के बयान पर प्रधान ने कहा, कि मैं अपने विपक्षी मित्रों से हमारी प्रणाली में विश्वास रखने की अपील करता हूं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार हमारे छात्रों के भविष्य की बेहतरी के लिए पारदर्शिता के लिए 100 फीसदी प्रतिबद्ध है। मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि हमारी सरकार द्वारा कोई कदाचार, कोई अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकार के संज्ञान में कुछ अनियमितताएं आई हैं और हम इसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हैं। हमें व्यवस्था को सुधारना करना होगा। उन्होंने कहा कि जैसे ही यह स्पष्ट हो गया कि डार्क नेट पर यूजीसी-नेट का प्रश्नपत्र यूजीसी-नेट के मूल प्रश्न पत्र से मेल खाता था, हमने परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया। गौरतलब है कि छात्र परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था एनटीए पर बैन लगाने और पेपर लीक की जांच की मांग कर रहे हैं।

प्रोटेम स्पीकर विवाद पर किरेन रिजिजू का कांग्रेस को जवाब

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस के भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त करने पर उठाये गए सवाल का संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने जवाब दिया है।

रिजिजू ने कहा कि परंपरा यह तय करती है कि सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा करने वाले सांसद को प्रोटेम के रूप में नियुक्त किया जाता है, और इस वजह से पसंद भर्तृहरि महताब बने हैं। महताब ने इस साल भाजपा में शामिल होने से पहले पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की बीजद के हिस्से के रूप में 1998 से 2019 तक कटक से ठह बार जीत हासिल की थी। यह उनकी सातवीं जीत है। प्रोटेम स्पीकर का पद लोकसभा के पहले सत्र के कुछ दिनों के लिए ही होता है। प्रोटेम स्पीकर आमतौर पर नए सांसदों को शपथ दिलाते हैं और पूर्णकालिक अध्यक्ष के लिए चुनाव कराते हैं।

कांग्रेस अपने दलित नेता और वेरल से आठ बार वेर सांसद कोडिकुन्निल सुरेश को प्रोटेम स्पीकर नामित किए जाने की उम्मीद कर रही थी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने इसे लोकतांत्रिक और संसदीय मानदंडों को नष्ट करने का प्रयास बताया। उन्होंने पूछा, सरकार को बताना चाहिए कि उसने के सुरेश को नजरअंदाज़ क्यों किया। वह कौन सा कारण था, जिसने उन्हें अयोग्य ठहराया?

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी सुरेश को आठ बार के सांसद के रूप में स्वीकार किया, लेकिन 1998 और 2004 में ब्रेक की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, वह लगातार नहीं जीते। उन्होंने रेखांकित किया कि महताब लगातार सात बार कटक से जीते हैं।

'घोटाले से हिंदू बच्चे भी प्रभावित, फिर संघ चुप क्यों', दिग्विजय

भोपाल। नीट और नेट को लेकर देशभर में मचे बवाल के बीच मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने अलग ही राग अलापा है। उन्होंने कहा कि इन परीक्षाओं में अनियमितताओं से बड़ी संख्या में हिंदू बच्चे भी प्रभावित हुए हैं, इसलिए आरएसएस, बजरंग दल और एबीवीपी को भी सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करना चाहिए, क्योंकि ये तीनों संगठन हिंदुओं का ठेका लिए हुए हैं। भोपाल में शुक्रवार को आयोजित कांग्रेस के धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए दिग्विजय ने सवाल उठाते हुए कहा कि नीट व नेट घोटाले पर आरएसएस और बजरंग दल वाले मौन क्यों हैं? देश में 14.5 लाख विद्यार्थी नीट में पेपर लीक होने से प्रभावित हुए हैं। इनमें 12 लाख हिंदू और मुस्लिमों की संख्या पांच से 10 प्रतिशत ही होगी। आरएसएस, बजरंग दल और एबीवीपी सब मिलकर परीक्षा निरस्त क्यों नहीं कराते?

इससे पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि हास्यास्पद यह है कि नीट के पेपर लीक कांड की जांच के लिए उन्हीं प्रदीप जोशी को जांच समिति का अध्यक्ष बना दिया, जो इसके लिए जिम्मेदार हैं। उनका त्याग-पत्र लिया जाए। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने एक्स पर पोस्ट किया कि देश में पिछले पांच वर्ष में 43 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। भाजपा सरकारों ने प्रतियोगी परीक्षा, उच्च शिक्षा एवं अन्य शिक्षण संस्थानों में कम योग्यता वाले लोगों को प्रमुख बनाया, उससे शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षा प्रणाली पूरी तरह से पंगु हो गई है।

आतंकी पन्नू की हत्या की साजिश के आरोप में जेल में बंद निखिल गुप्ता ने काउंसुलर एक्सेस नहीं मांगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि अमेरिका में खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की कथित तौर पर हत्या कराने की साजिश के आरोप में जेल में बंद भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता ने अभी तक कोई काउंसुलर एक्सेस नहीं मांगी है। जायसवाल ने शुक्रवार को वीकली प्रेस ब्रीफिंग में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, निखिल गुप्ता की तरफ से कोई रिक्वेस्ट नहीं मिली है। लेकिन सरकार उनके परिवार के संपर्क में है। निखिल गुप्ता के चेक रिपब्लिक से गिरफ्तार किया गया था। बाद में उन्हें अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया था।

कांउसुलर एक्सेस से मतलब विदेश में कैद नागरिक को अपने देश के राजनयिक या अधिकारी से मिलने की परमिशन देना है। कांउसुलर एक्सेस खुद कैदी मांग सकता है। या सरकार चाहे तो खुद संपर्क कर सकती है। अलग-अलग देशों में इसके नियम-कायदे अलग होते हैं।

अदालत में सिंघवी का तर्क.... क्या जजों को बदनाम करने का अधिकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट से गुरुवार शाम को जमानत मिली थी लेकिन शुक्रवार को रिहाई पर रोक लगा दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शराब घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में निचली अदालत के जमानत आदेश को चुनौती देकर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। ईडी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने की वेकेशन बेंच में याचिका लगाई, सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने रिहाई पर रोक लगा दी।

एएसजी राजू ने कहा कि मैं तत्काल रोक की मांग कर रहा हूं। हमारी बात निचली अदालत में नहीं सुनी गई। सीएम केजरीवाल का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने स्टे लगाने की मांग का विरोध किया। सिंघवी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दस फैसले हैं कि जमानत रद्द करना जमानत देने से बिल्कुल अलग होता है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि मामले की पूरी सुनवाई होने तक जमानत आदेश लागू नहीं किया जाएगा।

वकील सिंघवी ने दलीलें देकर कहा कि जमानत की सुनवाई कैसी होनी चाहिए? इस बारे में गलत धारणा है। सिर्फ इसलिए कि इसमें राजनीतिक विरोध शामिल है और अगर जज द्वारा सभी मांगों का निपटारा नहीं किया जाता है,तब इससे एएसजी राजू को जज को बदनाम करने का अधिकार मिल जाता है। यह निंदनीय है, दुखद है।

सिंघवी ने कहा कि ईडी पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण है। हर तर्क में पूरी तरह पक्षपात दिखता है। निचली अदालत में मामला पांच घंटे चला। राजू ने करीब 3 घंटे 45 मिनट का समय लिया और फिर ट्रायल जज पर दोष मढ़ दिया। सिंघवी ने हाईकोर्ट में दलील दी कि ईडी को लगता है कि चूंकि सीएम का मामला है, तब घंटों सुना जाना चाहिए और जज को निबंध लिखना चाहिए।

यूजीसी-नेट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने की एफआईआर दर्ज

-18 जून को आयोजित की गई थी परीक्षा को किया था रद्द

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सीबीआई ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मद्देनजर यूजीसी-नेट पेपर लीक मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

यूजीसी-नेट जूनियर रिसर्च फेलोशिप, सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति और भारतीय विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में पीएचडी में प्रवेश के लिए यह परीक्षा आयोजित की जाती है। इस बार यह परीक्षा 18 जून को दो पालियों में पूरे देश में आयोजित की गई थी। सूत्रों ने बताया कि अगले दिन यूजीसी को आई4सी की इकाई को सूचना मिलीं कि पेपर डार्कनेट पर उपलब्ध हैं और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर पांच से छह लाख रुपए में बिक रहा हैं।

अधिकारियों ने कहा कि शिक्षा मंत्रालय की शिकायत के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाले आई4सी से मिली जानकारियां शुरुआती जांच में इस बात के संकेत मिले हैं कि परीक्षा की शुचिता से समझौता किये जाने की आशंका है। शिक्षा मंत्रालय के सचिव के. संजय मूर्ति के नोट में कहा गया है कि परीक्षा प्रक्रिया में उच्चतम स्तर की पारदर्शिता और पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने उक्त परीक्षा को रद्द करने और मामले की गहन जांच के लिए मामले को केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपने का फैसला किया है।

पुणे कार दुर्घटना मामला: सुनवाई पूरी,फैसला 25 जून को

मुंबई (ईएमएस)। पुणे कार दुर्घटना मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को नाबालिग आरोपी की चाची द्वारा उसकी गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखा। 17 वर्षीय आरोपी पिछले माह कल्याणी नगर में हुई एक सड़क दुर्घटना में कथित रूप से शामिल था, जिसमें दो युवा तकनीशियन मारे गए थे। कोर्ट ने दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रखा। कोर्ट 25 जून को अपना फैसला सुनाएगा।

मामले की सुनवाई कर हाईकोर्ट ने कहा, पीड़ितों के परिवार सदमे में हैं। लेकिन शराब के नशे में दुर्घटना करने वाला किशोर भी सदमे में है। स्वाभाविक रूप से, इसका उसके दिमाग पर असर पड़ा होगा।

इसके पहले 19 जून को पुलिस ने किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपी, जिसमें आरोपी के खिलाफ सभी सबूतों का विवरण दिया था। पुलिस ने मामले में सुनवाई के लिए किशोर को वयस्क के रूप में मानने की अनुमति देने के लिए याचिका दायर की थी। उन्होंने कहा, हमने जेजेबी को सभी साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं, जो साबित करते हैं कि वह 19 मई की शाम को अपने घर से शुरू होकर दुर्घटना होने तक पोर्श कार चला रहा था। रिपोर्ट में उन प्रत्यक्षदर्शियों के बयान शामिल हैं, जिन्होंने नाबालिग को कार चलाते हुए देखा, जांच के दौरान बरामद सीसीटीवी फुटेज और कोसी रेस्तरां और ब्लैक क्लब में उसके शराब पीने के साक्ष्य शामिल हैं।

अपराध शाखा के अधिकारी ने कहा कि रिपोर्ट किशोर को वयस्क के रूप में सुनवाई के लिए मानने की उनकी याचिका का समर्थन करती है। उन्होंने कहा इस बीच, जांच से पता चला है कि किशोर के रक्त के नमूने, जो उसकी मां के रक्त के नमूनों के साथ बदले गए थे, को ससून जनरल अस्पताल में जैव-चिकित्सा अपशिष्ट के रूप में निपटाया गया था।

नाबालिग लड़के की मां और पिता, दो डॉक्टरों- डॉ अजय टावरे और डॉ श्रीहरि हल्नोर - और एक अस्पताल कर्मचारी, अतुल घाटकांबले, वर्तमान में रक्त के नमूने की अदला-बदली के मामले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए जेल में हैं।

वेस्टर्न डिस्टरबेंस से दिल्लीवासियों को मिली राहत, यहां भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली में शुक्रवार को भीषण गर्मी से राहत मिली, क्योंकि दिल्ली के विभिन्न इलाकों में बारिश हुई। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के साथ बारिश होने की संभावना है।

इस बीच, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले 5 दिनों के दौरान तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल, कोंकण और गोवा के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने कहा कि इन क्षेत्रों में भारी बारिश होने की संभावना है।

वहीं दिल्ली को लेकर मौसम विभाग का कहना है कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस की यह राहत एक-दो दिन और रहेगी और उसके बाद गर्मी वापसी करेगी।

मौसम विभाग के अनुसार, 22 जून को कोंकण और गोवा में अलग-अलग स्थानों पर भारी (64.5-115.5 मिमी) से लेकर बहुत भारी वर्षा (115.5-204.4. जबकि, 23 से 25 जून तक इस क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर भारी (64.5-115.5 मिमी) से लेकर बहुत भारी वर्षा (115.5-204.4 मिमी) से लेकर अत्यधिक भारी वर्षा (204.4 मिमी) होने की संभावना है।

22 जून को केरल और माहे में अलग-अलग स्थानों पर भारी (64.5-115.5 मिमी) से लेकर बहुत भारी वर्षा (115.5-204.4 मिमी) होने की संभावना है। जबकि, 23 से 25 जून तक इस क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर भारी (64.5-115.5 मिमी) से लेकर बहुत भारी वर्षा (115.5-204.4 मिमी) से लेकर अत्यधिक भारी वर्षा (115.5-204.4 मिमी) होने की संभावना है।

तटीय कर्नाटक में 22 जून को भारी से बहुत भारी वर्षा से लेकर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। जबकि, 23 और 25 जून के दौरान भारी सेबहुतभारीवर्षा सेलेकर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।

आईएमडी ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून महाराष्ट्र के कुछ और हिस्सों, विदर्भ के शेष हिस्सों, मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है।

योग स्वाभाविक रूप से आना चाहिए और जीवन का सहज हिस्सा बनना चाहिए: पीएम मोदी

नई दिल्ली/श्रीनगर (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर डल झील पर श्रीनगर के नागरिकों को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर के लोगों द्वारा योग के प्रति दिखाए गए उत्साह और प्रतिबद्धता का नजारा लोगों के मन में हमेशा बना रहेगा। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण तापमान में हुई गिरावट के बावजूद लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ, जबकि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में विलंब हुआ और इसे 2-3 सत्रों में बांटना पड़ा। मोदी ने कहा कि योग के लाभ तभी प्राप्त किए जा सकते हैं जबकि इसे दैनिक जीवन के साथ जोड़ते हुए सरल रूप से अपनाया जाए।

पीएम मोदी ने कहा कि योग का एक अहम अंग ध्यान अपने आध्यात्मिक पहलुओं के कारण आम लोगों के लिए अनूठा हो सकता है, हालांकि, इसे सरलता से एकाग्रता और लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने के रूप में समझा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि इस एकाग्रता और ध्यान को अभ्यास और तकनीकों के साथ बढ़ाया जा सकता है। मन की इस योगपूर्ण स्थिति में थकान कम होने के साथ-साथ शानदार परिणाम भी मिलते हैं और यह ध्यान भटकाने से बचने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक यात्रा के अलावा, जिसे अंततः जीवन में आना ही है, ध्यान आत्म-सुधार और प्रशिक्षण का एक साधन भी है।

पीएम मोदी ने कहा कि योग समाज के लिए जितना महत्वपूर्ण, उपयोगी और शक्तिशाली है, उतना ही स्वयं के लिए भी है। उन्होंने कहा कि जब समाज को योग से लाभ मिलता है तो पूरी मानवता को लाभ होता है। उन्होंने मिस्र में आयोजित एक प्रतियोगिता के बारे में एक वीडियो का उल्लेख किया जिसमें देश के प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों पर योग के साथ फोटो खींचने या वीडियो बनाने के बारे में जानकारी दी गई थी और उन्होंने इसमें भाग लेने वालों के प्रयासों की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसी तरह, योग और पर्यटन जम्मू और कश्मीर में रोजगार का एक बड़ा स्रोत बन सकते हैं।

यूजीसी ने मप्र की 16 यूनिवर्सिटी को डिफॉल्टर घोषित किया......माखनलाल का नाम भी

भोपाल (ईएमएस)। यूजीसी ने मध्य प्रदेश की 16 यूनिवर्सिटी को डिफॉल्टर घोषित किया है। इसकी सूची यूजीसी ने शुकवार को जारी कर दी है। यूजीसी की सूची में कुल 16 यूनिवर्सिटी मध्य प्रदेश हैं, इसमें 7 सरकारी और नौ प्राइवेट यूनिवर्सिटी है। सबसे बड़ी बात यह है कि डिफॉल्टर की लिस्ट में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय भी है। इन विश्वविद्यालयों में लोकपाल की नियुक्ति यूजीसी के गाइडलाइन के अनुसार नहीं हुई है। इसकारण डिफॉल्टर घोषित किया गया है।

नीट पेपर लीक मामले में देशभर में कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में नीट यूजी के रिजल्ट पर हंगामा बपर हुआ है। परीक्षा में धांधली को लेकर मध्यप्रदेश सहित देशभर में कांग्रेस जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है।मेडिकल व डेंटल कॉलेजों में दाखिले के लिए हुए नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट फॉर यूजी (नीट-यूजी) में हुई गड़बड़ियों के विरोध में स्टूडेंट्स जमकर विरोध प्रदर्शन कर रहे है। कांग्रेस ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में भोपाल, दिल्ली, जम्मू, लखनऊ, तेलंगाना सहित देश भर में पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस मांग कर रही है कि स्टूडेंट्स की चिंताओं का समाधान तत्काल किया जाए। भोपाल में कांग्रेस का धरना

वहीं नीट परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों को कांग्रेस की यूथ विंग का भी साथ मिल गया है। भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर कांग्रेस के धरना-प्रदर्शन में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित कई बड़े नेता शामिल है। कांग्रेस ने एनडीए सरकार का पुतला भी दहन किया। विपक्षी नेता आरोपों के तीर छोड़ रहे हैं। सत्तारूढ़ दल, परीक्षा एजेंसी और अफसर बचाव में बयान दे रहे हैं। मध्यप्रदेश कांग्रेस का आरोप हैं कि मध्यप्रदेश में पांच अलग-अलग तरह की परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। इन पांच परीक्षाओं में कुल 3 हजार 690 पदों पर आवेदन मांगे गए थे, इसमें 1 लाख 64 अभ्यर्थी परीक्षा में बैठने वाले थे। आरोप हैं कि पिछले दिनों ही इंदौर में कांग्रेस नेता अक्षय कांति बम की अगुआई में चलने वाले एक कॉलेज से पेपर लीक हुए थे। इस मामले में पुलिस ने कुछ गिरफ्तारियां भी की हैं।

ममता बनर्जी वायनाड में प्रियंका के लिए चुनाव प्रचार करेंगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी के लिए पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी वायनाड में चुनाव प्रचार करेंगी। लोकसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस, पश्चिम बंगाल में अकेले चुनाव लड़ रही थी, हालांकि, अब टीएमसी कांग्रेस के लिए प्रचार करेगी।

तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों ने कहा कि ममता बनर्जी न केवल प्रियंका गांधी के लिए प्रचार करने की इच्छुक हैं, बल्कि उन्होंने पिछले दिसंबर में भारत गठबंधन की बैठक के दौरान यह भी सुझाव दिया था कि प्रियंका को वाराणसी से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ना चाहिए ।

राहुल गांधी द्वारा सीट खाली करने और परिवार के गढ़ रायबरेली को बरकरार रखने के फैसले के बाद जब वहां उपचुनाव होगा तो प्रियंका गांधी वायनाड से चुनाव लड़ेंगी। हाल ही में संपन्न चुनावों में उन्होंने वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से 3.6 लाख वोटों के अंतर से दूसरी बार जीत हासिल की थी।

ये तीनों कानून लागू ना करे.....ममता का पीएम मोदी को पत्र

कोलकाता (ईएमएस)। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर तीन आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन को स्थगित करने का आग्रह किया है। ये तीनों कानून एक जुलाई से लागू होने हैं। सीएम बनर्जी ने लिखे पत्र में कहा कि स्थगन से आपराधिक कानूनों की नए सिरे से संसदीय समीक्षा संभव होगी। ये तीन नए कानून हैं, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम। ये नये कानून क्रमशः औपनिवेशिक युग की भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेने वाले है। नए कानूनों का उद्देश्य देश के नागरिकों को त्वरित न्याय प्रदान करना और न्यायिक व न्यायालय प्रबंधन प्रणाली को मजबूत बनाना है।

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव करने की तैयारी में चुनाव आयोग,-जमीनी स्तर पर शुरु किया काम

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव 2024 में जम्मू और कश्मीर की ऐतिहासिक भागीदारी ने भारतीय चुनाव आयोग को मतदाता सूची को अद्यतन करने के साथ केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू करने के लिए प्रेरित किया है। पिछली बार जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव 2014 में हुआ था, जब यह अभी भी एक राज्य था और अनुच्छेद 370 के तहत विशेष दर्जा प्राप्त था। 2019 में, राज्य का विशेष दर्जा रद्द कर दिया गया और दो केंद्र शासित प्रदेशों -जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया गया। तब से यूटी विधानसभा चुनावों का इंतजार कर रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर में चुनाव प्रक्रिया पूरी करने के लिए चुनाव आयोग के लिए 30 सितंबर, 2024 की समय सीमा तय की है। बताया जा रहा है, चुनाव आयोग ने केंद्रशासित प्रदेश में जमीनी काम शुरू कर दिया है और विधानसभा चुनाव कराने के लिए अगस्त और सितंबर के बीच की अवधि पर विचार हो रहा है। हालाँकि, चुनाव आयोग ने अभी तक चुनावों के लिए अस्थायी समयसीमा की घोषणा नहीं की है।

शुक्रवार को जारी बयान में, चुनाव निकाय ने कहा कि लोकसभा चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है और इन राज्यों में मतदाता सूची को अद्यतन करने की प्रक्रिया 1 जुलाई 2024 को अर्हता तिथि के रूप में निर्धारित की गई है।

बयान में कहा गया है कि इसके अलावा, निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के बाद एक नए सदन के गठन के लिए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर की विधान सभा के लिए आम चुनाव भी आयोजित किया जाना है।

नीट गड़बड़ी..हजारों करोड़ का महाघोटाला, -10 साल में 70 पेपर लीक, वर्तमान शिक्षा मंत्री की जेल में होगी जगह

नई दिल्ली (ईएमएस)। नीट-यूजी-2024 रिजल्ट में गड़बड़ी के विरोध में कांग्रेस देशभर में प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेसी नेताओं ने कहा कि ये छोटा-मोटा घोटाला नहीं है, हजारों करोड़ का घोटाला है। 10 साल में 70 पेपर लीक हुए हैं। ये पेपर लीक का मामला नहीं है, ये महा घोटाला है। खरीदने वाले ने 32 लाख में खरीदकर 40 लाख में बेचा। लाखों छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ किया गया है। ये रैकेट गुजरात से संचालित हो रहा है। बिहार और हरियाणा में चल रहा है। इसमें कोई छोटे-मोटे आदमी नहीं हैं, बड़े लोग शामिल हैं, जिसे छिपाया जा रहा है।

नीट-यूजी-2024 रिजल्ट में गड़बड़ी के विरोध मप्र, छग, दिल्ली, यूपी समेत पूरे देशभर में कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि बिहार में एफआईआर हुई है, वहां चार लोग पकड़े गए, लेकिन केंद्र सरकार कहती है कोई घोटाला नहीं, ना जांच ना जानकारी। इस पूरे मामले को दबाने जांच अधिकारी को दिल्ली तलब किया गया है। प्रधानमंत्री चुप क्यों हैं। परीक्षा के पहले और बाद में मन की बात करते हैं, जब बच्चों के भविष्य का सवाल है तो चुप्पी क्यों।

छग के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि मप्र में व्यापम घोटाले में 70 लोगों की हत्याएं हुई। ठीक से जांच हुई तो वर्तमान शिक्षा मंत्री की जगह जेल में होगी। यह ऐसा घोटाला है, जिसमें बीस से तीस हजार छात्रों का सेंटर बदला है, जिसमें यही छात्र टॉप में आए हैं। इस बार 67 बच्चों ने टॉप किया है, जो छात्र टॉप में आए हैं, उन्हें माइनस मार्किंग से लेकर सबको पता है, मार्किंग में भी घोटाला हुआ है।

उधर, सुप्रीम कोर्ट ने नीट-यूजी काउंसलिंग पर रोक लगाने से फिर एक बार इनकार कर दिया है। शुक्रवार को एक छात्र ने याचिका लगाई। उसका कहना था कि 773 कैंडिडेट्स बिना ग्रेस माक्र्स पाए फेल हुए हैं। पूरी परीक्षा रद्द कर दोबारा कराई जाए। 8 जुलाई को केस पर सुनवाई होनी है ऐसे में 6 जुलाई से शुरू हो रही काउंसलिंग भी 2 दिनों आगे बढ़ाई जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। हालांकि, रीएग्जाम की मांग पर एनटीए से 2 हफ्तों में जवाब दाखिल करने को कहा है।

जन हितैषी

पुराने कानूनों पर पुनर्विचार करेगी नई संसद

2024 में नई संसद का गठन होने जा रहा है। इस बार संसद में भाजपा को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। सही मायनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जो तीसरी सरकार बनी है वही वास्तविक एनडीए की सरकार है। एनडीए की वर्तमान सरकार में पिछले 10 वर्षों में संसद द्वारा जो कानून पास किए गए हैं उन पर पुनर्विचार किए जाने की संभावनाएं बलवती हो गई हैं। पिछले 10 सालों में संसद में विपक्ष बहुत कमजोर था। निश्चित संख्या में विपक्षी राजनीतिक पार्टी का बहुमत नहीं होने से विपक्षी दल के नेता का पद भी विपक्ष के पास नहीं था। बहुमत के आधार पर संसद में बिना चर्चा के बिल पास कराने के दर्जनों उदाहरण हैं। संसद में बिल पेस करने के पहले निर्धारित प्रक्रिया का पालन भी नहीं किया गया। आनन-फानन में बहुमत के आधार पर लोकसभा से बिल पारित कर दिए गए, जिसके कारण संविधान में प्रदत्त नागरिकों की समानता और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों का ध्यान भी नहीं रखा गया। कानून बनाते समय सरकार के पास असीमित अधिकार हों इसको ध्यान में रखते हुए कानून बनाए गए। अब नई संसद गठित होने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में भारतीय जनता पार्टी के पास सदन में स्पष्ट बहुमत नहीं है। सहयोगी दलों के साथ मिलकर सरकार चलाना पड़ेगी। वहीं इस बार संसद में विपक्ष पहले की तुलना में बहुत मजबूत है और एकजुट है। ऐसी स्थिति में संभावना व्यक्त की जा रही है कि जो भी कानून पिछले 10 वर्षों में पारित किए गए हैं उन पर हर हालत में पुनर्विचार करना इस सरकार की मजबूरी होगी। सभी नागरिकों के लिए न्याय, समानता और स्वतंत्रता संविधान के मौलिक अधिकारों के तहत हो। इसके लिए नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर भारी विवाद है। भारतीय दंड संहिता (अपराधिक कानून विधेयक) के कई प्रावधान इस तरह से किए गए हैं जिसका देश में भारी विरोध हो रहा है। मैरिटल रेप राज ध्रुव के नए प्रावधान पुलिस को असीमित अधिकार न्यायपालिका के अधिकारों में कटौती, मोटर व्हीकल एक्ट इत्यादि के कई ऐसे प्रावधान हैं जिनके परिणाम पर चिंता किए बिना इसे लागू किया जाना है। भारतीय दंड संहिता के जो तीन नए कानून हैं यह 1 जुलाई 2024 से लागू होने हैं, जिसके कारण स्पष्ट है कि यह मामला संसद के पहले सत्र में ही पुनर्विचार की मांग को लेकर विपक्ष अपना दबाव बनाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम 2023 में हंगामे के बीच पारित किया गया। इसमें सुप्रीम कोर्ट ने जो दिशा निर्देश दिए थे, उनका पालन नहीं किया गया। जिसका असर 2024 के लोकसभा चुनाव में स्पष्ट रूप से देखने को मिला है। ऐसी स्थिति में इस कानून में भी संशोधन को लेकर विपक्ष दबाव बनाएगा। केंद्र सरकार और राज्यों के बीच खदान एवं खनिज अधिनियम को लेकर भी पिछले कई वर्षों से विवाद चल रहा है। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में संवैधानिक पीठ कर रही है। इस नवीन कानून के द्वारा केंद्र ने अपनी शक्तियों को काफी बढ़ा लिया है और राज्यों की शक्तियों को कम कर दिया है। ऐसी स्थिति में इस पर भी भारी दबाव सरकार पर पड़ना तय माना जा रहा है। इसी तरह ट्रासजेंडर व्यक्ति अधिनियम 2019 के प्रावधान भी भेदभाव पूर्ण होने के कारण इस पर भी विपक्ष द्वारा पुनर्विचार करने की और संशोधन करने की मांग इसी संसद सत्र में की जा सकती है। अपने तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को कई मामलों में अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ेगा वहीं पिछले 10 सालों में ईडी, सीबीआई और आयकर एवं अन्य जांच एजेंसी के माध्यम से विपक्ष को समाप्त करने की कोशिश की गई है, उसको लेकर भी विपक्ष एकजुट हुआ है। एकजुट विपक्ष से लड़ना सरकार के लिए आसान नहीं होगा। पिछले 10 सालों में सरकार ने विपक्ष के लिए जो गड्ढे खोदे थे विशेष रूप से भ्रष्टाचार के मामलों में विपक्ष को जेल के सीखचों तक पहुंचाया गया था। विपक्ष को चुनाव लड़ने से रोकने की कोशिश की गई थी। आर्थिक एवं आपराधिक मामलों में दोषी बनाकर विपक्ष को खत्म करने के लिए जो हथकंडे अपनाए गए थे, विपक्ष अब उन्हीं हथकंडों को सरकार के खिलाफ इस्तेमाल करने के लिए एकजुट हुआ है। निश्चित रूप से नई संसद में पुराने कानून पर विचार होगा। उसमें सरकार को संशोधन भी करने होंगे। कई याचिकाएं इन सारे मामलों की सुप्रीम कोर्ट में लगी हुई हैं। निश्चित रूप से जब संसद में दबाव बढ़ेगा तो सुप्रीम कोर्ट में लंबित याचिकाओं पर सुनवाई होगी और फैसला आएगा। इन सारी स्थितियों को देखते हुए नई संसद का पहला सत्र काफी महत्वपूर्ण होने जा रहा है। इसमें सरकार को बजट भी पेश करना है। जुलाई के पहले बजट को पास कराना है। सरकार ने मनी बिल के रूप में बहुत सारे बिल पास कराकर सांसदों और संसद के अधिकार भी सरकार के नियंत्रण में आ जाने से सांसदों और संसद के अधिकार पहले की तुलना में बहुत कम हो गए हैं। अब विपक्ष के मजबूत हो जाने के कारण निश्चित रूप से आशा की जा सकती है कि बहुमत के आधार पर जो बिल और कानून पास कराए जा रहे थे उनके स्थान पर अब विवेक पूर्वक पक्ष और विपक्ष विभिन्न मसलों पर चर्चा करने के बाद ही आम सहमति से कानूनो के संशोधन पर पुनर्विचार करेगी। विपक्ष जिस तरह से एकजुट है, जिस आक्रामक ढंग से वह अपनी बात सदन के बाहर रख पा रहा है, उससे ज्यादा प्रभावी और आक्रामक ढंग से संसद के अंदर वह अपनी बात रखेगा। इस तरह की आशा की जा रही है।

सामाजिक क्रांति के अग्रदूत कबीर

(कबीर जयंती (22 जून) पर विशेष)

भारतीय चिंतन परम्परा में सामाजिक क्रांति के अग्रदूत कबीर का चिंतन सामाजिक जड़ता, अराजकता, जन्म के आधार पर भेदभाव, साम्प्रदायिकता, अस्पृश्यता और उंच-नीच जैसी अमानवीय व्यवस्था के खिलाफ शंखनाद है। वे ऐसे आदर्श मानवीय समाज की परिकल्पना करते हैं जहां सामाजिक समरसता पर आधारित मानवीय धर्म की प्रतिष्ठा हो। कहा जाता है कि काशी में लहरतारा तालाब पर नीरू तथा नीमा नामक जुलाहा दंपति को एक नवजात शिशु अनाथ रूप में प्राप्त हुआ। इन दोनों ने बालक का पालन पोषण किया जो संत कबीर के नाम से विख्यात हुए। निम्न और वंचित समझी जाने वाली जुलाहा जाति में पलकर भी तत्कालीन धर्म के दिग्गज पंडितों, मौलवियों को एक ही साथ फटकार सकने में समर्थ कबीर ने मसी और कागद न छूकर तथा कलम हाथ में न पकड़ कर भी केवल अपने प्रामाणिक अनुभव के बल पर जो कुछ कहा उसे सुनकर बड़ी-बड़ी पोथियों के अध्येता भी चकित रह गए। मध्यकालीन भक्ति आंदोलन के प्रणेता कबीर ने निराकार ब्रह्म के उपासक होकर भी अपने प्रियतम के वियोग में जो चिरंतन व्याकुलता प्रकट की वह किसी भी सगुणोपासक अथवा प्रेमोपासक की विकलता से कहीं अधिक मार्मिक तीव्र एवं गहन बन गई।

संत कबीर का उद्भव जिन युगीन परिस्थितियों मे हुआ वे अत्यंत संकीर्ण, विषम और विसंगति पूर्ण थी। उत्तर भारत में मुस्लिम साम्राज्य अपनी जड़ें पूरी तरह जमा चुका था। तुर्क, अफ़गान, खिलजी, तुगलक, सैयद लोदी वंश अपने-अपने काल में इन जड़ों को और गहरा बनाने में कामयाब रहे। हिंदुओं के छोटे-छोटे राज्य भी अब समाप्त हो चुके थे। राजनीतिक दृष्टि से हिंदुओं में अब कोई शक्ति शेष नहीं थी। धार्मिक क्षेत्र में भी भेदभाव का साम्राज्य था। देश के पूर्वी भागों में वज्रयानी सिद्धों के तंत्र-मंत्रों का और पश्चिमी भाग में नाथ संप्रदाय के हठयोग का प्रभाव था। हिंदू धर्म वैष्णव, शैव और शाक्त संप्रदायों में विभक्त था और इन धर्म साधनाओं में परस्पर प्रबल विरोध और संघर्ष की स्थिति थी। हिंदुओं में मूर्ति पूजा प्रचलित थी। एकेश्वरवादी इस्लाम मूर्ति पूजा विरोधी था। इस्लाम के साथ सत्ता थी उनमें ऊंच, नीच का भेद नहीं था। कुछ वर्गों में सांप्रदायिक कट्टरता एवं संकीर्णता पनप रही थी। समाज में धर्मगत, जातिगत, वर्णगत संप्रदाय गत विषमताएं विकट थीं। फलस्वरूप समाज का निम्न और अछूत वर्ग शोषण, उत्पीड़न, उपेक्षा, अपमान और सामाजिक धार्मिक निर्योग्यताओं का शिकार होने से इनमें आक्रोश, असंतोष और विक्षोभ प्रबल हो रहा था।

ऐसी विषम स्थिति में कबीर की क्रांत दर्शिता विभिन्न मतवादों को समन्वित कर सूप का स्वभाव लेकर उभरी जो किसी भी मत और संप्रदाय के थोथे तत्व को उड़ा सकने एवं उसके सार तत्व को ग्रहण कर सकने में समर्थ है। यही कारण है कि उनकी बानियां लोक मंगल की भावना से प्रेरित लोकमंगल की साधना को समर्पित है। कबीर का चिंतन आचरण शुद्धि, लोक कल्याण, सांप्रदायिक सद्भाव तथा दुष्प्रवृत्ति उन्मूलन पर केंद्रित है। कबीर ने तत्कालीन समाज में फैले कर्मकांडों, पाखंडों, जातिगत भेद-भावों अंधविश्वासों, बाह्यचारों और सामंती व्यवस्था की खुलकर आलोचना की। हिंदू हो या मुसलमान पंडित हो या मौलवी सबको समान रूप से फटकार लगाई। कबीर ने मुसलमान की हिंसात्मक प्रवृत्ति की निंदा की। मूर्ति पूजा का खंडन किया। हिंदुओं को मुसलमान बनाने के विरुद्ध बगावत की।माला जपने, जप तप करने, व्रत रखने, रोजे रखने, मस्जिद में बांग लगाने आदि अनेक पाखंडों की आलोचना की। कबीर ने जाति-पांति पूछे नहि कोई। हरि को भजै सो हरि को होई कहकर समाज को एक नई दिशा दी।

कबीर की कटु आलोचनाओं से समाज के ठेकेदारों के निहित स्वार्थ जब प्रभावित होने लगे तो इन्होंने बादशाह सिकंदर लोदी से शिकायत की। काजियों ने कहा कि कबीर लोगों को इस्लाम के विरुद्ध नसीहत देते हैं जिससे मुसलमान हिंदुओं की तरह ध्यान और भजन करने लगे हैं। पंडितों ने कहा कि कबीर परंपरा से चले आ रहे धार्मिक और सामाजिक नियमों का खंडन करते हैं। लोगों को ऐसे मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं जिसे न हिंदू कहा जा सकता है न मुसलमान। बादशाह ने कबीर को ऐसा न करने का आदेश दिया। किंतु कबीर झुके नहीं और निर्भय होकर कहा कि पारस्परिक मतभेदों में समन्वय कर यदि जीवन को सार्थक बनाने योग्य समता मूलक सच्चे सिद्धांतों पर अमल किया जाए तो इसमें क्या दोष है? धर्म के ठेकेदारों को यह मंजूर नही था। बादशाह भी स्वयं मुसलमान था उसने तलवार के जोर से इस्लाम का प्रचार किया। इसलिए बादशाह ने कबीर को मृत्युदंड दिया। कबीर पंथियों का मत है कि लोदी ने अनेक प्रकार के उपायों से कबीर को मरवाने की कोशिश की किंतु किसी दैवी शक्ति या चमत्कार से कबीर का कुछ नहीं हुआ। अंततः कबीर के अलौकिक व्यक्तित्व के समक्ष सिकंदर लोदी नतमस्तक हुआ और कबीर को स्वतंत्रत कर दिया।

एक बार कबीर को बादशाह को सलाम अदा करने के लिए कहा तब कबीर ने उत्तर दिया एक परमात्मा के सिवाए मालिके मखलूक और कोई नहीं । मैं उसी को सलाम करता हूं मिट्टी से बने किसी इंसान को नहीं। कबीर के इस प्रबल आत्मविश्वास और निर्भयता के पीछे उनके अनुभव की प्रामाणिकता, ईमानदारी, सच्चाई और नैतिकता कार्य कर रही थी। खरी-खरी सुनाने का अद्भुत साहस कोई खरी अनुभूति वाला व्यक्ति ही कर सकता है। कबीर अशिक्षित थे सहज, सरल सबके लिए सुलभ थे। उन्होंने जिंदगी की पोथी को खुली आंखों से पढ़ा था। वे प्रेम के एक अक्षर को पढ़कर ही पंडित हो गए थे। उनकी भक्ति में ज्ञान योग और प्रेम का अद्भुत समन्वय है।

ज्ञान के बिना मुक्ति नहीं और गुरु के बिना ज्ञान नहीं। कबीर स्वामी रामानंद से गुरु दीक्षा के अभिलाषी थे किंतु शास्त्रानुसार जुलाहे कबीर पात्र नहीं थे। स्वामी रामानंद ने विवशता बताई और कबीर के स्पर्श के कारण दुबारा गंगा स्नान करने को कहा। तब कबीर ने टूटे हुए हृदय से कहा आपकी पवित्रता मुझे पावन न बना सकी किंतु मेरी अपावनता ने आपको पुनः स्नान के लिए बाध्य कर दिया। सुना था देवता के स्पर्श से पापी तक पावन हो जाते हैं किंतु आज एक देवता मनुष्य को छूकर अपावन हो गया। स्वामी रामानंद ने कबीर के कथन में निहित सत्य को अनुभूत किया और बाद मे कबीर को अपने आश्रम ले आए। कबीर ने सदैव शारीरिक श्रम की महत्ता को स्वीकार किया और आजीवन जुलाहे कर्म का निष्ठा से पालन किया।

कबीर की मृत्यु पूर्व की सूचना पर उनके हजारों हिंदू-मुस्लिम भक्त एकत्र हो गए। हिंदू उनका दाह संस्कार करना चाहते थे और मुसलमान दफन। किंतु कबीर जो जीवन भर सांप्रदायिक सद्भाव और एकता के लिए संकल्पित रहे उनका यह विश्वास टूटने पर अलौकिक शक्ति से अपने शव को अद्रशय कर दिया और उस स्थान कुछ पुष्प बिखरे रह गए। आधे पुष्प हिंदुओं ने लेकर दाह संस्कार कर समाधि बना दी मुसलमानों ने आधे पुष्प दफन कर मकबरा बना दिया। वस्तुतः कबीर हिंदू के भी थे और मुसलमान के भी। वे दोनों को जोड़कर एक मानव संस्कृति के निर्माण की आधारशिला रख रहे थे। अपने सिद्धांतों के लिए जीने, मरने वाले कबीर न किसी जाति में पैदा हुए और न किसी धर्म में मरे जो एक साथ कब्र में दफन और समाधि में समाधिस्थ भी।

निःसंदेह कबीर साधना के क्षेत्र में युग गुरु और साहित्य के क्षेत्र में युग दृष्टा हैं। उनकी साधना वैयक्तिक और आध्यात्मिक होते हुए भी समष्टिपरक है। वे ऐसे सर्जक है जो परंपरा को तोड़ते ही नहीं बल्कि अपनी समकालीनता से उसे नए अर्थ भी देते हैं। कबीर में परंपरा के प्रति निरर्थक मोह नहीं है। वे आत्मा-परमात्मा का रहस्य बतलाते हुए कहते हैं कि आप सब अपने दिलों से हिंदू मुसलमान, ऊंच-नीच, अमीर-गरीब और छोटे-बड़े का भेदभाव मिटा दो। हम सब एक ही राम-रहीम के बंदे हैं। आपस में सद्भाव से मिलजुल कर प्रेम से रहते हुए ईश्वर की भक्ति कर नेक जिंदगी जिए। यही मेरा संदेश और मजहब है।

एक दिन कबीर ने पुत्र कमाल को कहा मुझे मगहर पहुंचा दो। मैं काशी में मरना नहीं चाहता। कमाल ने आश्चर्य से कहा कि अब्बा, लोग तो दूर-दूर से मरने के लिए काशी में आते हैं और आप काशी छोड़कर मगहर जाना चाहते हैं। सुना है काशी में मरने पर स्वर्ग मिलता है और मगहर में मरने पर नरक। कबीर ने हंसते हुए कहा कि मैं इसी भ्रम को तोड़ना चाहता हूं। वैसे न मैं स्वर्ग में विश्वास करता हूं न नरक में। स्वर्ग और नरक मन का भ्रम हैं। कर्मों की पवित्रता, नैतिकता से मिलने वाली आत्म शांति स्वर्ग है और पाप कर्मों से मिलने वाली यातना नरक। मुझे अपने कर्मों की पवित्रता पर विश्वास है। मैं मगहर में मरकर भी स्वर्ग ले लूंगा और कबीर ने मगहर में अपना पार्थिव शरीर छोड़ दिया।

निसंदेह साहित्य और धर्म के क्षेत्र में एक नवीन क्रांति के जनक कबीर भौतिक रूप से हमारे मध्य नहीं है किंतु मानवता को हर प्रकार के बंधनों से मुक्त कर अखंड आनंद की प्राप्ति कराने वाला उनका समग्र सृजन, साखियां, बानियां, उलटबासियां, दोहे, बीजक आदि साहित्य प्रगतिशील समाज के लिए प्रेरणा की अमूल्य धरोहर है जिनका आध्यात्मिक रहस्य दुनिया के किसी भी धर्म ग्रंथ से कमतर नहीं है। (लेखक- डॉ. अशोक कुमार भार्गव/ ईएमएस) (लेखक मोटिवेशनल स्पीकर, स्वतंत्र लेखक एवं पूर्व आईएएस हैं।)

कितने जायज हैं ईवीएम पर सवाल?

देश में प्रायः हर उस चुनाव के बाद विद्युतीय मतदान मशीन पर सवाल उठते रहे हैं, ज़ब किसी भी विपक्ष की सरकार नहीं बन पाती। इस बार भी लोकसभा चुनाव के बाद देर से ही सही, लेकिन ईवीएम पर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि अभी स्वर इसलिए भी धीमे हैं, क्योंकि लोकसभा चुनाव में विपक्ष के राजनीतिक दलों ने अपनी ताकत बढ़ाकर एक मजबूत विपक्ष बनने का रास्ता तैयार कर लिया है। देश के राजनीतिक इतिहास में ऐसा दृश्य पहली बार दिख रहा है, ज़ब विपक्ष सरकार बनाने से दूर रहकर भी अपनी विजय का अहसास करा रहा है। इसके विपरीत सत्ता पाने वाले राजग इस बात की समीक्षा कर रहा है कि उसकी सीटें कम कैसे हो गईं। जबकि यह समीक्षा विपक्षी दलों को करना चाहिए। कुछ बात हो रही थी ईवीएम की। इस लोकसभा चुनाव से पूर्व भी भाजपा के नेतृत्व में दो बार केंद्र में सरकार बनी, तब भी विपक्ष का यही मानना था कि ईवीएम की गड़बड़ी के कारण ही भाजपा ने विजय प्राप्त की है। हालांकि इन दस वर्षों के दौरान कई बार ऐसे चुनाव परिणाम भी आए हैं, जिसमें भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। लेकिन विसंगति यही है कि इसके बाद विपक्ष की ओर से ईवीएम पर कोई सवाल नहीं उठाए गए। ऐसी स्थिति में यही कहा जा सकता है कि विपक्ष की ओर से स्थिति देखकर ही सवाल उठाए जाते हैं।

विपक्षी राजनीतिक दलों को ऐसा ही लगता है कि भाजपा के पास कोई जनाधार नहीं है, वे मात्र ईवीएम के सहारे ही जीतते हैं। जबकि विपक्ष के किसी राजनीतिक दल को किसी राज्य में सत्ता प्राप्त हो जाए तो फिर ईवीएम पर सवाल नहीं उठाए जाते। हम जानते हैं कि विपक्ष को केवल भाजपा की जीत से परहेज है, वे भाजपा की जीत को पचा नहीं पाते, जबकि दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी को छप्पर फाड़ समर्थन मिला था, लेकिन तब ईवीएम पर कोई सवाल नहीं उठा। हमें स्मरण होगा कि सन 2014 के लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद विपक्षी दलों के अधिकतर नेताओं ने एक स्वर में ईवीएम पर सवाल खड़े किए थे। तब इन सवालों का जवाब देने के लिए चुनाव आयोग ने सारे राजनीतिक दलों को बुलाया था कि ईवीएम को कोई हैक करके दिखाए। लेकिन उस समय ज्यादा विरोध करने वाले कोई भी राजनेता चुनाव आयोग के बुलावे पर नहीं पहुंचे। इसका तात्पर्य यही है कि विपक्ष के ईवीएम पर आरोप का कोई पुष्ट आधार नहीं है। इस बार भी केवल आशंका के आधार पर ईवीएम को निशाने पर लाने की कोशिश की जाने लगी है।

चुनाव परिणाम के बाद इस बात की पूरी संभावना बन रही थी कि इस बार ईवीएम को आड़े हाथ लिया जाएगा। इसलिए चुनाव आयोग ने भी ईवीएम को लेकर उत्पन्न होने वाले भ्रम को दूर करने का प्रयास किया। लेकिन इतना होने के बाद भी यह भ्रम दूर नहीं हो सका और ईवीएम पर आरोप लगने शुरू हो गए हैं। यह विवाद कितनी दूर तक जाएगा, यह तो कहना मुश्किल है, लेकिन ज़ब धुंआ उठने लगा है तो आग भी कहीं न कहीं लगी ही होगी। अब विपक्ष के निशाने पर चुनाव आयोग और ईवीएम दोनों ही हैं। विपक्ष की ओर से यह कई बार कहा गया कि चुनाव आयोग केंद्र सरकार के संकेत पर कार्य करता है। वास्तविकता यह है कि चुनाव आयोग एक स्वायत्त संस्था है, जिस पर न तो किसी सरकार का कोई प्रभाव रहता है और न ही किसी राजनीतिक दल का। फिर भी चुनाव आयोग को क्यों विवाद में घसीटा जाता है। यहां यह भी बताना बहुत महत्वपूर्ण है कि अगर विदेश का कोई व्यक्ति या संस्था भारत के बारे में कोई सवाल उठाता है तो हमारे देश के कुछ लोग उस पर आँख बंद करके विश्वास कर लेते हैं, जबकि हमारे देश के संस्थान केवल सफाई देते रहते हैं। अभी हाल ही में एलन मास्क द्वारा यह कहकर सनसनी फैलाने का ही काम किया है कि ईवीएम हैक हो सकती है। एलन मास्क ने यह बयान क्यों दिया, यह तो वही जानें, लेकिन विदेश के लोगों द्वारा भारत के बारे में ऐसे विवादित बयान कई बार दिए जा चुके हैं, जिसको आधार बनाकर भारत की राजनीति को प्रभावित करने का प्रयास किया गया। पाकिस्तान की तरफ से तो मोदी सरकार को सत्ता से हटाने के लिए एक अभियान सा चलता दिखाई दिया। बेहतर यही होता कि विदेश के किसी भी व्यक्ति को सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों तरफ से आईना दिखाने का कार्य किया जाता। क्योंकि यह भारत के अंदरुनी मामले हैं, जिनका समाधान कोई विदेशी कभी नहीं निकाल सकता।

ईवीएम पर सवाल उठाने से पहले यह सोचना होगा कि भारत एक बड़ा देश है। ईवीएम प्रणाली से समय की बचत तो होती ही है, साथ ही व्यय में भी कमी आती है। ईवीएम को लेकर जो सवाल अभी उठ रहे हैं, वे सवाल वास्तव में उस समय उठने चाहिए थे, ज़ब ईवीएम को भारत में लाया गया। उस समय की कांग्रेस की सरकार इसे लेकर आई। ऐसा लगता है कि उस समय यह ठीक थी, लेकिन बाद में उसी को बुराई के रूप में देखा जाने लगा। सत्यता यही है कि किसी भी विवाद में एक पक्ष को पराजित होना ही पड़ता है। यह पराजय भले ही न्याय पूर्ण हो, लेकिन जो हारता है उसे वह न्याय भी अन्याय जैसा ही लगता है। ईवीएम भी कुछ ऐसे ही वाकये का शिकार हो रही है। लोकसभा चुनाव के बाद देश में नई सरकार का गठन हो चुका है। परिणाम के बाद जो राजनीतिक स्थिति बनी है, उसके अनुसार भारतीय जनता पार्टी अन्य सभी दलों से बहुत आगे है। इसका तात्पर्य यही है कि भारत की जनता की पहली पसंद आज भी भाजपा ही है। इस सत्य को स्वीकार करना ही होगा। निराधार आरोप लगाने की राजनीति ने कभी देश का भला नहीं किया, इसलिए अब देश के बारे में सोचिए। यह समय की मांग है। (लेखक - सुरेश हिंदुस्तानी/ईएमएस) (वरिष्ठ पत्रकार)

अदालती फैसलों का एक ख़ास दिन

सप्ताह के सात दिनों में कभी-कभी कोई दिन किसी ख़ास बात के लिए भी यादगार बन जाता है । गुरुवार का दिन भी कुछ ऐसा ही रहा । गुरुवार का दिन अदालत के ऐसे फैसलों के लिए याद किया जाएगा जिसने राजनीति के दिग्गजों को एक और यदि राहत दी तो दूसरी और नींद भी उड़ा दी। राउज एवेन्यू अदालत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीबाल को शराब घोटाले के मामले में नियमित जमानत दी तो बिहार उच्च न्यायालय ने सरकार द्वारा बढ़ाये गए आरक्षण के निर्णय को खारिज कर दिया।

केजरीवाल को मिली जमानत पर दिल्ली में पटाखे फोड़े गये । सचमुच आम आदमी पार्टी के लिए ये बड़ा फैसला है । अब अरविंद केजरीवाल मुकदमें के चलते हुए लोकसभा चुनाव में चारों खाने चित हुई अपनी पार्टी की साख को बढ़ाने का अभियान शुरू कर सकते हैं। केजरीवाल को नियमित जमानत का मिलना महज संयोग नहीं है ,लेकिन सत्तारूढ़ भाजपा के लिए एक झटका जरूर है । भाजपा किसी भी सूरत में केजरीवाल को जेल से बाहर नहीं आने देना चाहती थी,किन्तु ईडी की एक न चली और केजरीवाल जमानत हासिल करने में कामयाब हो गए। जमानत हर आरोपी का अधिकार है। इसमें जानबूझकर बाधाएं खड़ी करना भी एक तरह का अपराध है। देश में असंख्य ऐसे लोग हैं जो समर्थ न होने की वजह से बिना जमानत के जेलों में सजा से भी ज्यादा समय काट चुके हैं।

बात केजरीवाल की है । उन्हें मिली जेल न्याय प्रक्रिया की जीत है । अदालत के प्रति जनता का विश्वास बढ़ाने वाला कदम है। चूंकि ये जमानत एक अधीनस्थ न्यायालय का फैसला है इसलिए इसे नजीर बनाकर दूसरे आरोपी इसका लाभ नहीं ले सकते ,लेकिन उनके लिए भी संभावनाओं की एक खिड़की जरूर खुली है। मनीष जी,हेमंत सोरेन और स्नजय गुप्ता जैसे तमाम लोग जमानत के लिए लम्बे समय से एड़ियां रगड़ रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने लोकसभा चुनाव में अपनी पार्टी की करारी हार के बाद जल्दबाजी में हालाँकि कांग्रेस का हाथ और साथ छोड़ दिया है लेकिन उम्मीद है कि संसद में कांग्रेस केजरीवाल की बेवफाई के बाद भी उनका साथ देगी और जब सरकार पर हमले का वक्त आएगा तो आम आदमी पार्टी का समर्थन करेगी। केजरीवाल जेल से बाहर आने के बाद यदि चाहें तो अपनी गलती सुधर सकते है। दोबारा से आईएनडीआईए का हिस्सा बन सकते हैं। इसी में उनका फायदा है अन्यथा एकला चलो का उनका निर्णय आने वाले दिनों में आम आदमी पार्टी को भारी पड़ सकता है।

अब बात करते हैं पटना उच्च न्यायालय के फैसले की। पटना उच्च न्यायालय के फैसले ने बिहार की गठबंधन सरकार के टांके ढीले कर दिए है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले प्रदेश के दलितों,पिछड़ों और महादलितों को जो आरक्षण दिया था उसे असंवैधानिक करार देते हुए माननीय अदालत ने सरकार के फैसले को ख़ारिज कर दिया है । पटना हाईकोर्ट का फैसला कोई हैरान करने वाला फैसला नहीं है । ये एक प्रत्याशित फैसला है ,क्योंकि इसी तरह के फैसले तमिलनाडु,ओडिशा,राजस्थान और अरुणाचल सरकार के फैसलों के खिलाफ आ चुके है। देश की कोई भी अदालत संविधान के खिलाफ किसी भी सरकार के फैसले की ताईद नहीं कर सकती। इस हकीकत से राजनीतिक दल और सरकारें भी वाकिफ हैं लेकिन मतदाताओं की आँखों में धूल झोंकने से कोई भी परहेज नहीं करना चाहता।

पटना है कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील करना सरकार की विवशता भी है और औपचारिकता भी। अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को तय करना है कि वे इस मुद्दे पर क्या एनडीए गठबंधन की सरकार को 9 वीं सूची का इस्तेमाल करने के लिए विवश कर सकते हैं या नहीं ? नीतीश कुमार के सामने अब दो ही विकल्प बचे हैं कि वे या तो भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से अपने हिस्से का एक पोंड गोश्त मांगे और न मिले तो सरकार से अपना समर्थन वापस ले लें। नीतीश बाबू के लिए कुछ भी करना कठिन नहीं है । वैसे भी उनकी पल्टूराम वाली छवि जगजाहिर है। उनके दोनों हाथों में लड्डू रहते है। वे केंद्र से समर्थन वापस लें तो भी फायदे में रहेंगे और यदि केंद्र को इस आरक्षण को बनाये रखने के लिए 9 वीं सूची का इस्तेमाल करा सकें तो भी फायदे में रहेंगे। आने वाले दिनों में स्थिति साफ़ हो जाएगी। वे भविष्य में दोबारा राजद के साथ भी इस मुद्दे पर खड़े दिखाई दें तो किसी को कोई हैरानी नहीं होना चाहिए ।

मुझे ज्योतिष विज्ञान का ककहरा भी नहीं आता,मै इसमें यकीन भी नहीं करता । लेकिन आज मुझे लगता है कि यदि कोई शनि गृह होता है तो उसकी चाल भाजपा गठबंधन की सरकार के खिलाफ वक्री हो गयी है। एक के बाद एक ऐसे घटनाक्रम बन रहे हैं जो नई संसद के पहले ही सत्र में सरकार को हकलाने पर मजबूर कर सकते है। बिहार में अदालत का फैसला,नीट परीक्षा में धांधली, कंचनजंगा एक्सप्रेस का दुर्घटनाग्रस्त होना ऐसे ही मुद्दे हैं। लोकसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चयन भी एक मुद्दा माना जा सकता है। आपको याद होगा ही कि सरकार के आगे -पीछे टीडीपी और जेडीयू पहले से ही राहु-केतु की तरह लगे हुए है। ये सत्ता के सूर्य को कब डस लें ,कोई नहीं जानता। न भाजपा को इसका अनुमान है और न खुद टीडीपी और जेडीयू को। मै एक आम भारतीय के नाते नई संसद और नई सरकार के लिए अच्छे दिनों की प्रार्थना ही कर सकता हूँ । बाकी तो किसे क्या करना है ,ये आने वाले दिन खुद बता देंगे। (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8045

बाएँ से दाएँ

1. रुद्र, शिव, भैरव-4
4. आर्युवेद के जनक-3
6. भीगा हुआ-2
7. ताला(अंग्रेजी-2)
9. शेविंग करना -4
11. योग्य, अनुरूप-3
12. अल्सर-3
13. ज्वालामुखी से निकला गर्म द्रव-2
14. नमाज पढ़ने से पहले हाथ- पांव धोना-2
15. नाप जोख करना-3
17. अनुमान लगाना-3
19. उदारता, बड़प्पन-4
21. गाथा, कहानी -2
23. जनकपुत्री-2
24. जिज्ञासा, उत्साह-3
25. राजा, सम्राट- 4

ऊपर से नीचे

1. इच्छुक, अलमस्त-4
2. मात, पराजय-2
3. बोलने का तरीका-3
4. अचंभित-3
5. आर्ट, हुनर-2
8. गुनाह, अपराध-3
9. अटक-अटक कर बोलना-4
10. सरुर, खुमार, नशा, घमंड-2
12. नजाकत-4
15. अभिनेता, कप्तान-3
16. आनंद बोधक शब्द-2
18. सम्राट, राजा-4
19. व्यंग, परिहास-3
20. मुलायम-3
22. परात, बड़ी थाली-2
23. हलवा, एक मिष्ठान्न-2

शब्द पहेली -8044 का हल

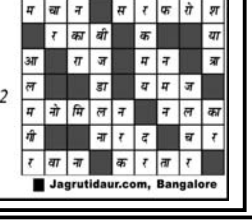

Jagrutidaur.com, Bangalore

सम्पादकीय

खेल - समाचार

स्टार्क ने मलिंगा का रिकार्ड तोड़ा

नॉर्थ साउंड (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने बांग्लादेश के खिलाफ पहला विकेट लेते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। स्टार्क अब विश्वकप में सबसे अधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। उन्हें टी20 और एकदिवसीय विश्वकप में अब तक सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। अब स्टार्क के विकेटों की संख्या 95 हो गयी है। स्टार्क ने विश्व कप में अपने 52 वें मैच में ये आंकड़ा हासिल किया। इस प्रकार उन्होंने श्रीलंका के तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा का रिकॉर्ड तोड़ दिया। मलिंगा के नाम विश्वकप में 94 विकेट हैं। ये विकेट उन्होंने 60 मैचों में लिए। ऐसे में अब स्टार्क इस विश्वकप में विकेटों का शतक भी बना सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया को अभी सुपर आठ में दो मैच खेलने हैं। इसके अलावा अगर टीम सेमीफाइनल में पहुंची तो उनके पास और भी अच्छा अवसर हो जाएगा।

विश्व कप (टी20 और एकदिवसीय) में सबसे अधिक विकेट लेने वालों में शाकिब अल हसन तीसरे, ट्रेंट बोल्ट चौथे और मुरलीधरन पांचवें नंबर पर हैं। बांग्लादेश के शाकिब के नाम 77 मैच में 92 विकेट हैं। न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट ने 47 मैच में 87 विकेट लिए हैं पर कीवी टीम के बाहर होने से बोल्ट के पास से अवसर निकल गया है।

कमिंस टी20 विश्वकप में हैट्रिक लगाने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बने

नॉर्थ साउंड (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने बांग्लादेश के खिलाफ टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपरआठ मुकाबले में हैट्रिक लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। कमिंस ने इस मैच में लगातार तीन गेंदों पर विकेट लेकर बांग्लादेश की बल्लेबाजी को ढ़हा दिया। कमिंस ने तीसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर महमूदुल्लाह को क्लीन बोल्ड कर दिया। इसके बाद अगली गेंद पर मेहदी हसन को एडम जम्पा के हाथों कैच कराया। इसके बाद अगले ही ओवर की पहली ही गेंद पर कमिंस ने तौहीद हृदय को पेवेलियन भेजकर अपनी हैट्रिक पूरी की। यह पारी का 20वां ओवर था। कमिंस ने इस मैच में 4 ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट लिए। यह टी20 विश्वकप इतिहास में सातवीं बार है जब किसी गेंदबाज ने इस प्रकार से हैट्रिक लगायी है। विश्वकप में पहली हैट्रिक ऑस्ट्रेलिया के ही ब्रेट ली के नाम है। ब्रेट ली ने भी ये हैट्रिक साल 2007 में बांग्लादेश के खिलाफ लगायी थी। इस प्रकार कमिंस टी20 विश्वकप में हैट्रिक लगाने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हैं।

टी20 विश्व कप इतिहास में केवल पांच टीमों के गेंदबाज के नाम ही हैट्रिक हैं। इनमें से दो-दो गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड के हैं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ब्रेट ली के बाद ये कारनामा कमिंस ने किया है। जबकि आयरलैंड की ओर से कर्टिस कैम्फर और जोशुआ लिटिल ने हैट्रिक लगायी है। इसके अलावा श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा, दक्षिण अफ्रीका के कैगिसो रबाडा और यूएई के कार्तिक मयप्पन ने भी हैट्रिक लगायी है।

स्पेन ने इटली को 1-0 से हराकर यूरो कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया

बार्सिलोना (ईएमएस)। स्पेन की टीम यूरो कप फुटबॉल 2024 नॉकआउट चरण में पहुंच गयी है। स्पेन ने इटली को इस अहम मुकाबले में 1-0 से हराया। स्पेन को ये जीत इटली के रिकॉर्डो कालाफियोरी के 55वें मिनट में किये एक आत्मघाती गोल के कारण मिली है। इसी के साथ ही स्पेन ने यूरोपीय चैंपियनशिप में लगातार दूसरा मुकाबला जीत लिया है। इससे पहले उसने क्रोएशिया को 3-0 से पराजित किया था। इटली पर जीत के बाद अब स्पेन के ग्रुप बी में सबसे अधिक 6 अंक हो गए हैं।

वहीं ग्रुप सी के एक अन्य मैच में इंग्लैंड और डेनमार्क का मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा। इसके अलावा सर्बिया और स्लोवेनिया का मैच भी 1-1 से बराबरी पर रहा। वहीं इटली के पास है अब ग्रुप में आगे बढ़ने के लिए केवल एक ही अवसर है। उसे अब 24 जून को क्रोएशिया से खेलना है। इस मैच में अगर इटली की टीम जीतती या ड्रॉ खेलती है तभी वह नॉकआउट में जाएगी। वहीं क्रोएशिया के पास भी इस मैच में इटली को हराकर नॉकआउट स्तर में प्रवेश का अवसर है पर उसके हर हाल में जीत दर्ज करनी होगा।

भारतीय टीम अब सितंबर से टेस्ट सीरीज खेलेगी, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड से होंगे मुकाबले

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम अब सितंबर से टेस्ट सिरीज खेलेगी। भारतीय टीम को इस सत्र में सबसे पहले बांग्लादेश के खिलाफ 2 टेस्ट और फिर न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 टेस्ट खेलने हैं।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसी के अनुसार टेस्ट सत्र 19 सितंबर से शुरू होगा। चेन्नई और कानपुर में ये टेस्ट होंगे। इसके बाद धर्मशाला, दिल्ली और हैदराबाद में तीन टी20 मैच खेले जाएंगे। वहीं भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ 16 अक्टूबर से सीरीज खेलेगी। इसका पहला मुकाबला बेंगलुरु में होगा। वहीं दूसरा टेस्ट पुणे में और तीसरा मुंबई में होगा।

बांग्लादेश के साथ सीरीज

पहला टेस्ट : चेन्नई : 19 सितंबर से 23 सितंबर, सुबह 9:30 बजे
दूसरा टेस्ट : कानपुर : 27 सितंबर से 1 अक्टूबर, सुबह 9:30 बजे
पहला टी-20 : धर्मशाला : 6 अक्टूबर, शाम 7:00 बजे
दूसरा टी20 : दिल्ली : 9 अक्टूबर, शाम 7:00 बजे
तीसरा टी20 : हैदराबाद : 12 अक्टूबर, शाम 7:00 बजे

न्यूजीलैंड के साथ सीरीज

पहला टेस्ट : बेंगलुरु : 16 अक्टूबर से 20 अक्टूबर, सुबह 9:30 बजे
दूसरा टेस्ट : पुणे : 24 अक्टूबर से 28 अक्टूबर, सुबह 9:30 बजे
तीसरा टेस्ट : मुंबई : 1 नवंबर से 5 बजे, सुबह 9:30 बजे तक

सूर्यकुमार ने विराट के एक रिकार्ड की बराबरी की

बारबाडोस (ईएमएस)। आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के शानदार प्रदर्शन से भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप क्रिकेट में अपने पहले ही सुपरआठ मुकाबले में अफगानिस्तान को 47 रन से हरा दिया। सूर्यकुमार को इस मैच में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड दिया गया। इसी के साथ ही सूर्या ने पूर्व कप्तान विराट कोहली के 15 प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड की बराबरी कर ली है। इसमें खास बात ये है कि सूर्या ने विराट की तुलना में आधे मैच में ही ये उपलब्धि अपने नाम की है। सूर्यकुमार ने 64वां मैच में 15 बार प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड हासिल किया जबकि विराट ने इसके लिए 120 मैच खेले थे।

प्लेयर ऑफ द मैच बनने के बाद सूर्यकुमार ने कहा कि मुझे लगता है कि इसमें बहुत मेहनत लगी टी20 विश्वकप में इस बार ये अवार्ड हासिल करने वाले सूर्या पहले भारतीय बल्लेबाज हैं। इस टूर्नामेंट के लीग मैच में गेंदबाज हावी रहे थे। उन्होंने कहा कि हमें सफलता के लिए अपने गेम प्लान के अनुसार चलना होगा और उसके अनुसार खेलना होगा।

कमिंस बने आईसीसीसी प्लेयर ऑफ द ईयर, पोटिंग ने प्रदान की सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी

नॉर्थ साउंड (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया तेज गेंदबाज पैट कमिंस को आईसीसीसी प्लेयर ऑफ द ईयर का अवार्ड मिला है। कमिंस की कप्तानी में ही ऑस्ट्रेलिया ने गत वर्ष दिसंबर में एकदिवसीय विश्वकप जीता था। इसके अलावा उनकी कप्तानी में ही टीम ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप भी जीती थी। कमिंस को ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश मैच से पहले पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी वाजी सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी प्रदान की।

कमिंस को पहली बार आईसीसी की ये ट्रॉफी मिली है। जिससे वह उत्साहित हैं। ये ट्रॉफी पहली बार साल 2004 में पूर्व भारतीय क्रिकेटर राहुल द्रविड़ को दी गयी थी। अब तक सबसे अधिक बार ऑस्ट्रेलिया ने ये ट्रॉफी जीती है। कमिंस से पहले रिकी पोंटिंग, माइकल क्लार्क, मिचेल जॉनसन और स्टीव स्मिथ को भी आईसीसी प्लेयर ऑफ ईयर का अवार्ड मिला था। ऑस्ट्रेलिया के अलावा चार भारतीय खिलाड़ियों को ये ट्रॉफी मिली है। इसमें द्रविड़ के अलावा सचिन तेंदुलकर, रविचंद्रन अश्विन और विराट कोहली शामिल हैं।

यूगांडा के कप्तान मसाबा ने छोड़ी कप्तानी

कम्पाला (ईएमएस)। यूगांडा के कप्तान ब्रायन मसाबा ने टी20 विश्व कप से अपनी टीम के बाहर होने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। यूगांडा की टीम टी20 विश्व कप में केवल एक मैच में पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ जीत हासिल कर पायी थी जिससे मसाबा निराश थे। वह पिछले पांच साल से लगातार टीम की कप्तानी कर रहे थे और इसे एक बड़ा सम्मान मानते हैं पर अब चाहते हैं कि ये जिम्मेदारी कोई और संभाले। उन्होंने 63 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 24 विकेट लिए हैं जबकि 439 रन बनाये हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी होने से बाजार नीचे आया हे। विदेशी निवेशकों की बेरुखी सेभी बाजार पर बल पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरोंपर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 269.03अंक करीब0.35 फीसदी नीचे आकर77,2 09.90 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज कानिफ्टी भी 65.90 अंक तकरीबन 0.28 फीसदी नीचे आकर अंत में 23,501.10 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 9 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। एयरटेस, इंफोसिस, टीसीएस, जेएसडब्ल्यू स्टील और एनटीपसी सेंसेक्स के शेयर लाभ में रहे। वहीं कोटक बैंक, पावर ग्रिड, एचसीएल टेक, व्रिपो और मारुति के शेयर ऊपर आये हैं। दूसरी ओर सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये हैं। अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, टाटा मोटर्स, नेस्ले इंडिया और एचयूएल सेंसेक्स के सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गयी।

बाजार जानकारों के अनुसार घरेलू बाजार में हल्की मुनाफावसूली से भी गिरावट आई है। वहीं गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी50 ने हरे निशान में कारोबार की शुरुआत की। बीएसई का 30 शेयर वाला सेंसेक्स 122 अंकों की बढ़त के साथ 77,611 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि 50-शेयर वाला निफ्टी50 50 अंकों की बढ़त के साथ 23,620 के स्तर पर पहुंच गया। बाद में निफ्टी50 ने 23,667 का नया रिकॉर्ड उच्चतम स्तर छुआ, जो पिछले उच्चतम स्तर 23,664 को पार कर गया। व्यापक बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों ने भी अग्रणी सूच कांकों के साथ मिलकर 0.4 से 0.49 फीसदी की रेंज में बढ़त हासिल की।

सोने की कीमतों में तेजी, चांदी हुई सस्ती

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने के वायदा कारोबार में शुक्रवार को तेजी देखने को मिल रही है, जबकि चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। इस समय सोने के वायदा भाव 72,650 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 91,250 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने के वायदा भाव तेजी और चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 91 रुपये की तेजी के साथ 72,677 रुपये के भाव पर खुला। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 413 रुपये की गिरावट के साथ 91,252 रुपये पर खुला। इस समय यह कॉन्ट्रेक्ट 239 रुपये की गिरावट के साथ 91,436 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। जबकि सोने के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। कॉमेक्स पर सोना 2,373.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,369 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 4.10 डॉलर की तेजी के साथ 2,373.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.81 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 30.82 डॉलर था। इस समय यह 0.26 डॉलर की गिरावट के साथ 30.55 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

स्टॉक मार्केट स्कैम.......71 वर्षीय व्यक्ति को लगा 2 करोड़ का चूना

मुंबई (ईएमएस)। एक 71 साल के रिटायर्ड व्यक्ति को स्टॉक मार्केट स्कैम में 2 करोड़ की चपत लगी है। ठगा गया व्यक्ति एक वित्तीय सलाहकार था। हम बताएंगे कि इसतरह इन फ्रॉड्स को पहचाना जा सकता है।

मुंबई के 71 वर्षीय व्यक्ति के पास एक महिला ने फोन आया और इक्विटी मार्केट में निवेश का एक लुभावना जाल फेंका।

जब व्यक्ति जाल में फंस गया, तब उस आदमी को एक फेक मोबाइल फोन एप्लीकेशन डाउनलोड करने को कहा गया। यह फर्जी एप, एक निवेश कंपनी के असली एप जैसा ही लग रहा था। एप इंस्टाल करने के बाद व्यक्ति को एक वाट्सऐप ग्रुप में जोड़ा गया, जहां बहुत से लोग सक्रिय थे। ग्रुप में मौजूद सभी लोग बार-बार स्क्रीनशॉट शेयर कर रहे थे कि ग्रुप में आए टिप्स के चलते उन्होंने खूब पैसा बनाया है। लगभग 1 महीना लगातार इसतरह चलता रहा और बूढ़े व्यक्ति को यकीन हो गया कि सबकुछ ठीक है। यह देखकर बूढ़े व्यक्ति ने 24 ट्रांजेक्शन के माध्यम से 2 करोड़ रुपये डिपॉजिट कर दिए। इसके बाद काम शुरू हुआ और व्यक्ति को कथित प्रॉफिट होने लगा। देखते ही देखते उसके अकाउंट में 2 करोड़ की बजाय 14 करोड़ रुपये दिखाई देने लगे।

जब अकाउंट में 14 करोड़ रुपये की भारी-भरकम रकम दिखाने लगी, तब व्यक्ति ने उस पैसे में से कुछ प्रॉफिट निकालना चाहा, मगर वह निकाल नहीं पाया। बूढ़े व्यक्ति को बताया गया कि आपको निकालने के लिए अलग से विद्ड्रॉल टैक्स अकाउंट में डालना होगा, तब जाकर पैसा निकलेगा। व्यक्ति को समझ में आ गया कि दो करोड़ रुपये ठगों के पास पहुंच गए हैं। मामले की शिकायत पुलिस से की गई। फिलहाल पुलिस जांच चल रही है।

यूलिप को निवेश उत्पाद के रूप में प्रचारित करने पर रोक

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधि करण(इरडा)नेएक मुख्य परिपत्र जारी करयूनिटलिंक्ड बीमायोजनाओं (यूलि प) को निवेश उत्पाद के रूप में प्रचा रित करने पर रोक लगा दी हैइरडा के परिपत्र में कहा गया कि यूनिट-लिंक्ड या इंडेक्स-लिंक्ड बीमाउत्पादों को निवेश उत्पाद के रूप में विज्ञापित नहीं किया जाएगा। बीमा कंपनियों को स्पष्ट रूपसेयह बताना होगा कि बाजार से जुड़ी बीमायोजनाएंपारंपरिक बंदोबस्ती पॉलिसियों से भिन्न हैं और उनमें जोखिम भी होता है। इरडा ने कहाकिपरिवर्तनीय वार्षिकी भुगतान विकल्प केसाथ लिंक्ड बीमा उत्पादों और वार्षिकी उत्पादों के सभी विज्ञापनों में जोखिम कारकों का खुलासा किया जाएगा।

पीएनबी के कई अकाउंट 30 जून के बाद बंद हो जाएंगे!

नई दिल्ली (ईएमएस)। पंजाब नेशनल बैंक के कई बैंक अकाउंट 1 जुलाई से बंद हो जाएंगे। इसके लिए बैंक अपने ग्राहकों को अलर्ट भेज रहा है। पिछले 3 सालों से जो सेविंग अकाउंट एक्टिव नहीं है वह सभी अकाउंट 1 जुलाई से बंद हो जाएंगे। दरअसल, बैंक उन ग्राहकों का अकाउंट बंद करने वाला है जिनके अकाउंट में पिछले कुछ सालों में कोई ट्रांजेक्शन नहीं हुआ है या फिर उसनें जीरो बैलेंस है। पीएनबी ने अपने ग्राहकों को कहा है कि वह एक बार अपने सेविंग अकाउंट का स्टेटस जरूर चेक करें। बैंक ने उन ग्राहकों को नोटिस भेजा है जिनके अकाउंट में पिछले तीन साल से कोई ट्रांजेक्शन नहीं हुआ है। बैंक ने कहा कि ग्राहक को अपने अकाउंट को एक्टिव रखने के लिए बैंक ब्रांच में जाकर केवाईसी करवाना होगा। केवाईसी के साथ ग्राहक को उससे संबंधित डॉक्यूमेंट्स को अटैच करना होगा। पीएनबी ने बताया कि कई स्कैमर्स इस तरह के अकाउंट का गलत इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में फ्रॉड के मामले को रोकने के लिए बैंक द्वारा यह फैसला लिया गया है। बैंक ने बताया कि वह डीमैट अकाउंट को बंद नहीं करेंगे। इसके अलावा सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना जैसी सरकारी स्कीम के लिए जो अकाउंट ओपन हुए हैं वह भी बंद नहीं होंगे। इसी तरह माइनर सेविंग अकाउंट पर भी ये नियम लागू नहीं होता है।

सॉवरिन फंडों को एआईएफ में निवेश से जुड़े नियमों से छूट दी जाए : सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने आरबीआई से कहा है कि सॉवरिन फंडों को वैकल्पिक निवेश फंडों (एआईएफ)में निवेश से जुड़े नए सख्त नियमों से छूट दी जाए। दिसंबर में आरबीआई ने बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों से एआईएफ निवेश के लिए प्रावधान बढ़ाने को कहा था बशर्ते कि उन परियोजनाओं के लिए ऋणदाता भी हैं जिनमें एआईएफ निवेश कर रहे हैं। णों की एवरग्रीनिंग रोकने के लिए कड़े किए गए नियमों में मार्च के अंत में आंशिक ढील दी गई थी। सरकार ने सामाजिक-आर्थिक उद्देश्य का हवाला देते हुए आरबीआई को पत्र लिखकर सॉवरिन समर्थित फंडों के लिए विशेष छूट के लिए कहा है, जिनमें फंसी हुई रियल एस्टेट परियोजनाओं की मदद के लिए स्थापित फंड- स्पेशल विंडो फॉर अफॉर्डेबल ऐंड मिड-इनकम हाउसिंग भी शामिल है। एक फंड के अधिकारी ने केंद्रीय बैंक के साथ सरकार की बातचीत की पुष्टि की है, लेकिन ज्यादा जानकारी नहीं दी। आरबीआई और वित्त मंत्रालय ने भी कोई जवाब नहीं दिया है।

पिछले 6 साल में रियल एस्टेट में 9.63 लाख करोड़ के कर्ज स्वीकृत हुएः रिपोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। ?पिछले 6 साल के दौरान रियल एस्टेट क्षेत्र में 9.63 लाख करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत हुए थे और अगले तीन वर्षों में 14 लाख करोड़ रुपये के ऋण वित्तपोषण की संभावना है। एक रिपोर्ट में यह उम्मीद जताई गई है। एक रियल एस्टेट परामर्शदाता और रियल एस्टेट डेटा विश्लेषक की एक संयुक्त रिपोर्ट के मुताबिक भारत में रियल एस्टेट क्षेत्र में पिछले छह वर्षों में 9,63,441 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत हुए हैं। इस तरह औसतन 1,61,000 करोड़ रुपये के ऋण हर साल स्वीकृत हुए। सलाहकार फर्म ने कहा ?कि कुल ऋण बाजार में 2024-2026 के बीच भारतीय रियल एस्टेट में 14,00,000 करोड़ रुपये के वित्तपोषण के अवसर की संभावना है।

देश के शीर्ष सात शहरों में स्वीकृत कर्जों के विश्लेषण के आधार पर पता चलता है कि मुंबई, दिल्ली-एनसीआर और बेंगलुरु की पिछले छह वर्षों में स्वीकृत कुल कर्जों में 80 प्रतिशत हिस्सेदारी रही। रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान 2018 में आईएलएंडएफएस की वजह से पैदा हुए एनबीएफसी संकट और 2020 में कोविड महामारी के दुष्प्रभाव जैसी चुनौतियों ने ऋण बाजार में मंदी पैदा की थी। लेकिन 2021 के बाद से रियल एस्टेट बाजारों के पुनरुद्धार ने कर्जदाताओं और कर्जदारों दोनों के लिए नए अवसर पैदा किए हैं।

जनता पर महंगाई की डबल मार, बिगड़ा घरों का बजट,- आलू, प्याज, टमाटर के बाद अब दालों की बढ़ीं कीमतें

नई दिल्ली,(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव खत्म होते ही अब महंगाई ने लोगों की कमर तोड़ दी है। आलू, प्याज, टमाटर के बाद अब दाल भी गरीबों की थाली से गायब हो गई है। इस महंगाई में गरीब खाए तो क्या खाए। इस पर लोगों का कहना है कि आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपया वाली कहावत चरित्रार्थ हो रही है। महंगाई का आम जनता पर प्रकोप जारी है।

जून के महीने में प्याज, हरी सब्जियों, आलू, टमाटर के दाम में बढ़ोतरी हुई। इसके बाद दाल की कीमतों में आई तेजी ने घर का बजट ही बिगाड़ दिया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली में दाल की कीमतों में 1.1 फीसदी का इजाफा हुआ है। वहीं, तूअर और उड़द के दाम तीन फीसदी तक बढ़े हैं। प्याज की कीमतों में भी 67 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जून में टमाटर सबसे मंहगा बिक रहा है। लगातार टमाटर की कीमतों में तेजी आ रही है।

मिनिस्ट्री और कंज्यूमर अफेयर ने दाल की कीमतों को लेकर आंकड़ें जारी किये हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक 31 मई को चने दाल 86.12 रुपए प्रति किलोग्राम थी। 19 जून तक कीमतों में 2.13 फीसदी का इजाफा के साथ इसके दाम 87.96 रुपए हो गए हैं। तूअर यानी अरहर दाल 31 मई तक इसका भाव 157.2 रुपए प्रति किलो था, जो 19 जून तक 4.07 रुपए बढ़कर 161.27 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया।

जून में मूंग की दाल की कीमतों में मामूली तेजी देखने को मिली है। 31 मई को इनके दाम 118.32 रुपए थे जो 19 जून तक 119.04 रुपए हो गए। उड़द दाल की कीमतों में भी ज्यादा तेजी नहीं आई है। 31 मई को उड़द दाल 125.79 रुपए प्रति किलो थी जो 19 जून तक 126.69 रुपए प्रति किलो हो गई थी। मसूर दाल में मामूली तेजी आई। 19 जून को इसकी कीमत 94.12 रुपए प्रति किलोग्राम थी जो 31 मई को 93.9 रुपए प्रति किलो थी। इस माह आलू की कीमतों में करीब आठ फीसदी से ज्यादा का इजाफा हुआ है। 31 मई को आलू 29.82 रुपए प्रति किलो के भाव से बिक रहा था जो जून में चढ़कर 32.23 रुपए प्रति किलो हो गया। दिल्ली में आलू की कीमत 30 रुपए प्रति किलोग्राम है।

दिल्ली में प्याज की कीमतों में 67 फीसदी का इजाफा हुआ। वहीं, अगर देश के अन्य राज्यों की बात करें तो इसमें करीब 18 फीसदी की तेजी आई। मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों में बताया गया है 31 मई तक प्याज के दाम 30 रुपए प्रति किलो थे, जो 19 जून तक 50 रुपये प्रति किलो पहुंच गए। देश में औसतन इसकी कीमत 37.83 रुपए प्रति किलो हो गई।

प्याज, आलू के बाद टमाटर की कीमतों में भी तेजी आई। सबसे ज्यादा दाम टमाटर के बढ़े हैं। 31 मई को अच्छी क्वालिटी के टमाटर 34.15 रुपए प्रति किलो थे जो जून में 44.9 रुपये प्रति किलो बिक रहे हैं। दिल्ली में इनके दाम 28 रुपए से बढ़कर 33 रुपये प्रति किलो हो गए हैं।

टी20 विश्व कप : ऑस्ट्रेलिया ने डकवर्थ लुइस नियम से पहले ही मुकाबले में बांग्लादेश को28 रनों से हराया

नॉर्थ साउंड (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया ने बारिश से प्रभावित टी20 विश्व कप क्रिकेट में अपने पहले ही सुपरआठ मुकाबले में बांग्लादेश को 28 रनों से हरा दिया। इस मैच में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 140 रन बनाये। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने हैट्रिक लगायी। ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत के लिए 141 रनों का लक्ष्य मिला। इसका पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 11 ओवर के बाद दो विकेट के नुकसान पर 100 रन बना लिए थे। तभी बारिश शुरु हो गयी ऐसे में ऑस्ट्रेलिया को ऑस्ट्रेलिया ने डकवर्थ लुइस नियम के तहत विजयी घोषित कर दिया गया

क्योंकि नियम के तहत ऑस्ट्रेलिया का स्कोर इस समय 72 रन होना था पर वह उसे 28 रन अधिक बना चुकी थी। ऐसे में उसे 28 रनों से विजयी घोषित कर दिया गया। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की ओर से डेविड वॉर्नर और ट्रेविस हेड ने तेज शुरुआत की। हेड 31 रन बनाकर आउट हुए। डेविड वॉर्नर 53 रन जबकि ग्लेन मैक्सवेल 6 गेंद में 14 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए एक और मैच जीतना होगा। इसके साथ ही शीर्ष की टीमों से उन्हें अपना नेट रन रेट भी बेहतर रखना होगा।

वहीं इससे पहली बांग्लादेश की पारी के दौरान तंजीद हसन खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गये। लिटन दास 16 रन बनाकर आउट हो गए। एडम जाम्पा ने लिटन दास को बोल्ड किया। इसके बाद रिशाद हौसेन 2 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान नजमुल हौसेन शंतो 41 बनाकर आउट हुए। ऑलराउंडर शाकिब अल हसन मैच में विफल रहे। वहीं ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज कमिंस ने इस मैच के 18वें ओवर में महमूदुल्लाह और महेदी हसन को आउट करने के बाद 20वें ओवर की पहली ही गेंद पर हृदॉय को आउट करके अपनी हैट्रिक पूरी की।

टी20 विश्व कप : सुपर आठ में आज बांग्ला-देश पर जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

नॉर्थ साउंड (ईएमएस)। भारतीय टीम का मुकाबला शनिवार को आईसीसी टी20 विश्व कप क्रिकेट के सुपर आठ चरण के दूसरे मैच में बांग्लादेश से होगा। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में भी जीत के सिलसिले को बनाये रखना रहेगा। भारतीय टीम ने सुपर आठ के पहले मैच में अफगानिस्तान को आसानी से हराया है। टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज लय में है जिसका लाभ उसे मिलेगा। अफगानिस्तान के खिलाफ सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या ने अच्छी बल्लेबाजी की थी जिससे वह यहां भी जारी रखना चाहेंगे। भारतीय टीम हालांकि इसके बाद भी बांग्लादेश को हल्के में नहीं लेगी। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली अब तक टीम को अच्छी शुरुआत नहीं दे पाये हैं और ऐसे में उनका लक्ष्य इस मैच में अच्छी साझेदारी बनाना रहेगा। वहीं बाएं हाथ के बल्लेबाज शिवम दुबे भी अब तक इस सीरीज में रन नहीं बना पाये हैं ऐसे में उनपर भी तेजी से रन बनाने का दबाव रहेगा। आईपीएल वह जिस प्रकार से बड़े शॉट लगा रहे थे वैसे यहां नहीं लगा पाये हैं। उन्होंने केवल एक लीग मैच में अमेरिका के खिलाफ 31 रन बनाए अगर वह इस मैच में विफल रहे तो अगले मैच में उन्हें बाहर बैठना पड़ेगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में हार्दिक का बल्लेबाजी फॉर्म में लौटना भारतीय टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। वहीं गेंदबाजी में भारतीय टीम का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है। स्पिनर कुलदीप यादव ने अफगानिस्तान के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की थी। ऐसे में उन्हें इस मैच में भी बनाये रखा जाएगा। मैच के बाद अक्षर पटेल ने कहा था कि बाएं हाथ के तीन स्पिनरों को उतारने से टीम को दबाव बनाने का अवसर है। एक कलाई के स्पिनर और दो ऊंगली के स्पिनर होने से हमे लाभ हुआ है। इन तीनों का संयोजन जबर्दस्त रहा है। हम आपस में बात करते हैं कि देखते हैं कि जीत के लिए किस चीज की जरुरत है।

वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश के बल्लेबाजों का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है जिससे वह दबाव में रहेगी। सुपर आठ में उसे अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया से भी हार का सामना करना पड़ा था। अब वह अपनी उम्मीदें बनाए रखने के लिये हर हालत में जीत हासिल करने के इरादे से उतरेगी। उसके पास पावर हिटर्स की कमी है। सलामी बल्लेबाजों लिटन दास और तंजीद खान का प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुसार नहीं है। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो भी टीम के शीर्ष क्रम की असफलता से परेशान हैं। ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद उन्होंने कहा था कि शुरुआती बल्लेबाजों को रन बनाने होंगे। इसके अलावा उसके गेंदबाज भी लय में नहीं है जिससे भी टीम की मुश्किलें बढ़ीं हैं। ऐसे में कुल मिलाकर देखें तो इस मैच में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह इस प्रकार है :

भारतःरोहितशर्मा(कप्तान), हार्दिक पांडया, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

बांग्लादेश : नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान),तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्यासरकार,तंजीद हसनतमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदोय, महमूद उल्लाह रियाद,जैकरअली अनिक,तनवीर इस्लाम, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरीफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब।

भारतीय छात्रों को ....अमेरिका में ट्रंप की गांरटी

वाशिंगटन (ईएमएस)। आव्रजन के मुद्दे पर अपने सख्त रुख में आश्चर्यजनक बदलाव कर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिकी कॉलेजों से ग्रेजुएशन करने वाले विदेशी छात्रों को सीधे ग्रीन कार्ड देने की इच्छा जाहिर की है। एक इंटरव्यू के दौरान ट्रम्प ने कहा कि 'मैं जो करना चाहता हूं और जो करूंगा, वह यह है कि जब आप किसी कॉलेज से ग्रेजुएट होते हैं, तब मुझे लगता है कि आपको अपने डिप्लोमा के हिस्से के रूप में खुद-ब-खुद ग्रीन कार्ड मिलना चाहिए, इस देश में रहने में सक्षम होने के लिए एक ग्रीन कार्ड। उन्होंने प्रस्ताव में दो साल के जूनियर कॉलेजों और डॉक्टरेट कार्यक्रमों के ग्रेजुएट को भी शामिल करने के लिए कहा।

ट्रम्प का यह बदला हुआ मिजाज अमेरिकी कॉलेजों में पढ़ रहे भारतीय छात्रों का जोश बढ़ाने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक 2022-23 शैक्षणिक वर्ष के दौरान अमेरिका में उच्च शिक्षा का विकल्प चुनने वाले भारतीय छात्रों की संख्या अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गई। यह उछाल पिछले साल की तुलना में 35 फीसदी बढ़ोतरी को दिखाता है। आंकड़ों से पता चला है कि 200,000 से अधिक भारतीय छात्रों ने विभिन्न अमेरिकी संस्थानों में दाखिला लिया, जो कि एक नया रिकॉर्ड है।

कैरियर की संभावनाओं को बढ़ाने के मौके ने अमेरिका को भारतीय छात्रों के लिए एक पसंदीदा जगह बना दिया है। ट्रंप की यह ताजा टिप्पणी उनके विशिष्ट आप्रवासी विरोधी बयानबाजी को छोड़ने का संकेत देती है। ट्रम्प अक्सर आप्रवासियों को सार्वजनिक सुरक्षा, नौकरी की सुरक्षा और सरकारी संसाधनों के लिए खतरा बताते रहे हैं। जब दुनिया भर से सबसे अच्छे और प्रतिभाशाली लोगों को अमेरिका में लाने की योजना के बारे में पूछा गया, तब ट्रम्प ने जवाब दिया 'मैं इसका वादा करता हूं।

गौरतलब है कि ग्रीन कार्ड या स्थायी निवासी कार्ड, अमेरिकी नागरिकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ट्रम्प की योजना का उद्देश्य उन प्रतिभाशाली व्यक्तियों को अमेरिका में बनाए रखना है जिन्होंने अमेरिका में अपनी शिक्षा हासिल की है।जो अक्सर इन छात्रों को उनके गृह देशों में वापस लौटते हुए देखते हैं।

अमेरिका अन्य देशों द्वारा ऑर्डर की गई मिसाइलें भेज रहा है यूक्रेन

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका ने कहा कि वह अन्य देशों द्वारा ऑर्डर की गई सैकड़ों वायु रक्षा मिसाइलों को यूक्रेन भेज रहा है, ताकि यूक्रेन रूस से अपनी रक्षा कर सके। व्हाइट हाउस ने कहा कि अन्य देशों द्वारा ऑर्डर की गई मिसाइलें उन्हें अब कम से कम 16 महीने की देरी से प्रदान की जाएंगी। असाधारण कदम की घोषणा करते हुए, अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि रूस के लिए एक संदेश यह है कि यदि आपको लगता है कि आप यूक्रेन के समक्ष अधिक समय तक टिक पाएंगे और आप पूरी तरह से गलत हैं।

खालिस्तानी आतंकवादियों ने लगाई नागरिक अदालत, भारत ने जताई आपत्ति

टोरंटो,(ईएमएस)। भारत ने वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास के बाहर खालिस्तानी आतंकवादियों द्वारा नागरिक अदालत लगाने और भारत के प्रधानमंत्री का पुतला जलाने पर कनाडा सरकार के सामने कड़ा विरोध जताया है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारत ने कनाडा के उच्चायोग को राजनयिक नोट जारी कर खालिस्तानी आतंकवादियों की हालिया कार्रवाइयों और नागरिक अदालत आयोजित करने पर गंभीर आपत्ति जताई है। नोट में भारत ने कनाडाई उच्चायोग को जस्टिन टूडो सरकार द्वारा कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादियों को दी जा रही शह की कड़ी निंदा की है। कनाडा की संसद ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की याद में मौन रखा गया था, जिसके एक दिन बाद भारत ने यह आपत्ति जताई है। निज्जर की पिछले साल जून में ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में गोली मारकर हत्या दी गई थी।

इसरो के अंतरिक्षयात्रियों को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी, रहने का मिलेगा प्रशिक्षण

वॉशिंगटन(ईएमएस)। इसरो के अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी चल रही है। वहां रहने और खुद को सरवाइव करने की ट्रेनिंग देकर उन्हे यात्रा पर भेजा जाएगा। नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने कहा कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के भी एक अंतरिक्ष यात्री को अंतरराष्ट्रीय स्पेस सेंटर में रहने की ट्रेनिंग देगी। क्रिटिकल और आधुनिक तकनीक (आईसीईटी) को बढ़ावा देने के लिए भारत और अमेरिका मिलकर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, पिछले साल हम भारत गए थे। मानवता की भलाई के लिए भारत और अमेरिका मिलकर काम करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, अंतरिक्ष के क्षेत्र में हम मिलकर काम करेंगे और इसरो के एक अंतरिक्षयात्री को आईएसएस तक जाने, वहां रहने और लौटने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इसे भविष्य में अंतरिक्ष विज्ञान को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर ये बातें कही हैं।

बिल नेल्सन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में नासा भारतीय अंतरिक्ष यात्री के साथ संयुक्त अभियान करेगा। बता दों कि दोनों एनएसए ने अंतरिक्ष उड़ान सहयोग और रणणनीतिक ढांचे के विकास के लिए बातचीत की। यह नासा और इसरो अंतरिक्षयात्रियों का पहला संयुक्त प्रयास होगा। संभव है कि इस साल के आखिरी में भारतीय अंतरिक्ष यात्री आईएसएस के लिए उड़ान भरे। संभव है कि इसरो ट्रेनिंग के लिए चार अंतरिक्षयात्रियों का चुनाव करे। नासा और इसरो साथ नासा इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार यानी निसार को लॉन्च करने जा रहे हैं। यह मिशन जलवायु परिवर्तन से निपटने में सहयोगी हो सकता है। यह हर 12 दिन में दो बार पृथ्वी की मैपिंग करेगा। जेक सुलिवन और एनएसएस अजीत डोभाल बीच बातचीत के बाद यह ऐलान किया गया है। इस उपग्रह को नासा और इसरो ने मिलकर तैयार किया है। बता दें कि भारत के सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और उनके समकक्ष जेक सुलीवन के बीच हुई मुलाकात के बाद नेल्सन ने यह बात कही है। सुलिवन ने सोमवार को कहा था कि इसरो के अंतरिक्षयात्रियों को अडवांस ट्रेनिंग दी जाएगी।

सांसद चंद्रा आर्य ने खालिस्तान समर्थकों को कनाडा की संसद में सुनाई खरी-खरी

ओटावा(ईएमएस)। कनाडा में भारतीय मूल के सांसद चंद्रा आर्य ने संसद में खड़े होकर खालिस्तान समर्थकों को जमकर कोसा। उन्होंने याद दिलाते हुए कहा कि 23 जून को भारतीय विमान को हवा में उड़ा दिया गया था। इसके जिम्मेदार कनाडाई खालिस्तानी आतंकी थे। चंद्रा आर्य ने एक्स पर लोगों से 1985 एयर इंडिया बम विस्फोट के पीड़ितों की याद में एक समारोह में शामिल होने की अपील की। विमान पर हमले की यह 39वीं बरसी है। इसे आतंकवाद के पीड़ितों के लिए राष्ट्रीय स्मरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। चंद्रा आर्य ने कहा कि यह कनाडा के इतिहास में सबसे बड़ी सामूहिक हत्या है। इसके बाद उन्होंने हाल ही में खालिस्तान समर्थकों की ओर से भारतीय पीएम इंदिरा गांधी की हत्या का जश्न मनाने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, कनाडा की संसद में हाल ही में खालिस्तान समर्थकों की ओर से हिंदू भारतीय पीएम की हत्या का जश्न मनाया गया, जिसमें हिंसा और नफरत का महिमामंडन किया गया, जो दिखाता है कि अंधेरी ताकतें फिर संक्रिय हो गई हैं। ये दिखाता है कि देश के लिए आने वाला समय भयानक होगा।

23 जून 2024 को इस मेमोरियल सर्विस का आयोजन किया गया है, जिसमें उन्होंने लोगों को आने को कहा। यह आयोजन राजधानी ओटावा में डॉव झील के पास और ओंटारियो में क्वीन्स पार्क साउथ लॉन में स्मारक स्थल पर 12 बजे आयोजित की जाएगी। संसद में उन्होंने खालिस्तान समर्थकों की ओर से हिंसा को बढ़ावा देने का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 23 जून आतंकवाद के पीड़ितों के लिए स्मृति दिवस है। 39 साल पहले इसी दिन एयर इंडिया फ्लाइट 182 कनाडाई खालिस्तानी चरमपंथियों की ओर से लगाए गए बम से हवा में ही उड़ गई थी। उन्होंने आगे याद दिलाते हुए कहा कि विमान में सवार सभी 329 यात्री और चालक दल की मौत हो गई थी। कनाडा के इतिहास में यह सबसे बड़ा हमला माना जाता है। इस हमले में 268 कनाडाई लोगों की मौत हुई थी। मरने वालों में 27 ब्रिटिश और 24 भारतीय नागरिक थे।

अमेरिका ने रूसी कंपनी के सॉफ्ट-वेयर को बैन करने की घोषणा की

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका ने साइबर सुरक्षा कंपनी कैस्परस्की द्वारा बनाए गए एंटीवायरस सॉफ्टवेयर की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने कहा कि रूसी सरकार की आक्रामक साइबर क्षमताओं और कैस्परस्की के संचालन को प्रभावित करने या निर्देशित करने की क्षमता के कारण अमेरिका में कंपनी के संचालन से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है। कैस्परस्की अब आम तौर पर अन्य गतिविधियों के अलावा अमेरिका में अपने सॉफ़्टवेयर नहीं बेच सकेगी और न ही पहले से उपयोग किये जा रहे सॉफ़्टवेयर के अपडेट प्रदान करने में सक्षम होगी।

वाणिज्य सचिव जीना रायमोंडो ने कहा, रूस ने बार-बार दिखाया है कि उनके पास कैस्परस्की लैब जैसी रूसी कंपनियों का शोषण करने की क्षमता और इरादा है, ताकि वे संवेदनशील अमेरिकी जानकारी एकत्र कर सकें और हथियार बना सकें। हम अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और अमेरिकी लोगों की सुरक्षा के लिए अपने पास मौजूद हर उपकरण का उपयोग करना जारी रखने वाले हैं। अमेरिका में कैस्परस्की सॉफ्टवेयर की बिक्री पर 20 जुलाई से प्रतिबंध लगा दिया जाएगा।

रूसी बहुराष्ट्रीय कंपनी 29 सितंबर तक मौजूदा यूजरों को सॉफ्टवेयर अपडेट प्रदान करने में सक्षम होगी। कैस्परस्की का सॉफ्टवेयर यूजरों को ट्रोजन, स्पाइवेयर और अन्य साइबर खतरों से बचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

पाकिस्तान में ईशनिंदा, थाने से निकाला और जिंदा जला दिया

इस्लामाबाद(ईएमएस)। ईशनिंदा के आरोप में पाकिस्तान के कट्टरपंथियों ने शख्स की जान ले ली है। खैबर पख्तूनख्वा के स्वात जिले के मद्यन इलाके में पवित्र कुरान के कथित अपमान पर भीड़ ने एक व्यक्ति की हत्या कर दी। स्वात जिला पुलिस अधिकारी डॉ. जाहिदुल्ला खान ने कहा कि इस हंगामे के कारण आठ लोग घायल हो गए। उन्होंने कहा कि पुलिस कथित अपमान की घटना के कारण आरोपी को थाने ले गई थी। लेकिन उग्र भीड़ पुलिस स्टेशन पर हमला कर आरोपी को अपने साथ ले गई।भीड़ ने पुलिस स्टेशन और एक मोबाइल वाहन में आग लगा दी। उन्होंने आगे बताया कि संदिग्ध को भी आग के हवाले कर दिया गया। मामले की जांच हो रही है, जिस कारण और डिटेल सामने नहीं आई है। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आए हैं, जिसमें सड़क पर पड़े शव को लोग आग लगा देते हैं। भीड़ चारो तरफ खड़ी है और वह जश्न मना रही है। इसके अलावा एक अन्य वीडियो में लोगों को पुलिस स्टेशन के बाहर खड़े देखा जा सकता है।

डीपीओ खान ने कहा कि मद्यन में भारी पुलिस बल तैनात है और तनावपूर्ण स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है। कलाम, बहरीन और अन्य स्थलों के अलावा मद्यन स्वात घाटी के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक हैं। यह पेशावर से लगभग 245 किलोमीटर दूर है। इमरान खान के राजनीतिक दल पीटीआई ने एक पोस्ट में बताया कि केपी के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का नोटिस लेकर मामले में प्रांतीय पुलिस से संपर्क किया है। उन्होंने रिपोर्ट तलब करते हुए पुलिस प्रमुख को स्थिति को नियंत्रित करने के लिए हर कदम उठाने का आदेश दिया। पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी ने इस घटना को लेकर लिखा, और पागलपन जारी है। हम एक समाज के रूप में आत्महत्या करने पर आमादा हैं। चरमपंथी धार्मिक दृष्टिकोण से प्रेरित होकर जनरल जियाउल हक ने ईशनिंदा के लिए मौत की दी थी। तब से पाकिस्तान में गैर मुस्लिमों के खिलाफ हिंसा तेजी से बढ़ी है।

अमेरिका जा रहे हैं तो ब्रांडेड कंपनी के कपड़े लेकर जाएं, नहीं तो होगी जेल

- प्यूमा, एडिडास या नाइक जैसे किसी कंपनी का नकली ब्रॉन्ड पहनना है बैन

वॉशिंगटन,(ईएमएस) आपने प्यूमा, एडिडास या नाइक जैसे किसी कंपनी का नकली ब्रैंड पहना है आप अमेरिका जा रहे हैं तो आप परेशानी में फंस सकते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका के सीमा शुल्क अधिकारी आपके इन कपड़ों, जूतों, गहनों या बैग को जब्त कर लेंगे, हो सकता है कि वे इसे नष्ट भी कर दें और आप पर केस दर्ज किया जा सकता है। अमेरिका के कस्टम ऑफिसरों ने नकली सामानों की तस्करी की निगरानी बढ़ा दी है। हाल के महीनों में अमेरिका में उड़ान भरने वाले कई भारतीय छात्रों और यात्रियों से कई महंगी लग्जरी आइटम जब्त कर लिए गए। एक रिपोर्ट के मुताबिक एयरपोर्ट पर एंट्री के दौरान लोगों ने देखा कि अमेरिकी अधिकारी और कर्मचारी लोगों के कपड़ों और सामान पर 'कैंची चला' रहे हैं। कई बार ये सामान कूड़ेदान में फेंक दिया जाता है।

यूएस कस्टम एण्ड बॉडर प्रोटेक्शन (सीबीपी) के नियम कहते हैं कि आप किसी भी तरह की नकली वस्तु जैसे शर्ट, हैंडबैग, या जूते ले जा सकते हैं बशर्ते वह व्यक्तिगत के खुद इस्तेमाल के लिए हो, न कि बेचने या फिर कमर्शल यूज के लिए। ज्यादा संख्या में हर चीज पर उनकी नजर जमी रहती है और वे शक के आधार पर पूछताछ के बाद यह फैसला लेते हैं कि इस सामान का क्या करना है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि झारखंड के जमशेदपुर के एक स्कूल टीचर के हवाले से कहा गहया है वह अपने बेटे से मिलने अमेरिका गए जो टेक्सास में पढ़ाई कर रहा है। उनके पास आठ शर्ट, चार पेंट, कुछ मोजे और एक जोड़ी जूते थे। सभी सामान पैक था क्योंकि वह उन्होंने खरीदा था, लेकिन एयरपोर्ट पर अधिकारियों ने उनके बैग की जांच की और उनसे कई सवाल किए उन्होंने एयरपोर्ट अधिकारियों को समझाने की कोशिश की कि यह सब उनके बेटे के लिए है। वे सभी सामान नकली थे यानी बड़े ब्रैंड की कॉपी थे। उनको पता नहीं था कि ये बैन हैं। उन्होंने टीचर पर 'क्रिमिनल चार्ज' लगाने की धमकी दी थी, उनके पास उन्हें तुरंत सब कुछ जब्ती करने देने के अलावा कोई ऑप्शन नहीं था। उन्होंने बताया कि कपड़े की कई चीजें फेंकने से पहले फट गई ऋ्रहृ कम से कम 30,000 रुपए का सामान गंवा दिया। वहीं हैदराबाद के एक छात्र का कहना था कि भारत में लोगों के लिए बड़े ब्रैंड की डुप्लिकेट या कॉपी बेचना और खरीदना आम बात है। वे ऐसी कोई चेकलिस्ट भी नहीं देते जिससे लोगों को ये पता हो कि क्या ले जा सकते हैं और क्या नहीं। सीपीबी अधिकारियों का कहना था कि पिछले साल 19,724 शिपमेंट से 23 मिलियन नकली सामान जब्त किया गया इसके बाद से जांच बढ़ा दी गई है।

विश्व योग दिवस 2024 – नडाबेट : मुख्यमंत्री ने नडाबेट में आयोजित 'सीमा सुरक्षा प्रहरी सम्मेलन' में हिस्सा लिया

गांधीनगर 21 जून ईएमएस) इतिहास में पहली बार भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बनासकाँठा स्थित ज़ीरो पॉइंट नडाबेट में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल तथा विधानसभा अध्यक्ष शंकरभाई चौधरी की प्रोत्साहक उपस्थिति में शुक्रवार को राज्य स्तरीय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पहली बार अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर श्रीनगर से किए गए संबोधन का सीधा प्रसारण भी देखा गया। राज्य योग बोर्ड द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री ने राज्य के लोगों को शुभकामनाएँ देते हुए योग को दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने जोड़ा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमारी प्राचीन परंपरा योग को वैश्विक पहचान दिलाई है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य में सवा करोड़ से अधिक लोग आज विश्व योग दिवस समारोह में सहभागी हुए हैं, जो आनंद की बात है। उन्होंने जोड़ा कि सुदूरवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक योग को पहुँचाने के लिए राज्य सरकार कटिबद्ध है। राज्य में योग के प्रचार-प्रसार के लिए 51 योग स्टूडियो की स्थापना की गई है। पटेल ने योग के महत्व के विषय में चर्चा करते हुए कहा कि योग स्वास्थ्य सुख का सबल माध्यम बना है। तनावमुक्त व स्वास्थ्यप्रद जीवन शैली के लिए योग उत्तम उपाय है। योग आत्मविश्वास नहीं, अपितु आत्म संयम है। उन्होंने जोड़ा कि स्वास्थ्य सुख के लिए योग सर्वोत्तम है। कोरोना काल में योग ने घर-घर में स्वीकृत प्राप्त की थी। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों के चलते संयुक्त राष्ट्र संघ (ळ्ध) द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया है। आज विश्व के कोने-कोने में योग पहुँचा है। योग लोगों को स्वस्थ जीवन शैली की प्रेरणा प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी नागरिकों को निरामय जीवन की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि हम सभी नियमित योगाभ्यास के माध्यम से जीवन को सार्थक बनाने के लिए संकल्पबद्ध बनें।

विधानसभा अध्यक्ष शंकरभाई चौधरी ने सीमावर्ती क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह के आयोजन के लिए राज्य योग बोर्ड तथा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल का आभार व्यक्त किया। चौधरी ने योग दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आज पूरी दुनिया योग के महत्व को समझने लगी है। जहाँ मानवता है, वहाँ योग है। उन्होंने जोड़ा कि शरीर के सुख के लिए नहीं, अपितु संपूर्ण शाश्वत सुख के लिए योग आवश्यक है।

राज्य योग बोर्ड के अध्यक्ष शीशपाल राजपूत ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में सहभागी हुए सभी लोगों का स्वागत किया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय योग प्रॉटोकोल के अनुसार विभिन्न आसनों व प्राणायामों का निदर्शन कर योग कराए। उन्होंने कहा कि दैनिक जीवन में योग अपनाए जाएँ तो योगी व निरोगी बनने के साथ समाज में सहयोगी एवं उपयोगी बनने की प्रेरणात्मक ऊर्जा मिलती है।

गुजरात के समुद्री किनारों से मिल रहे करोड़ों के ड्रग्स

अहमदाबाद, २१ जून ।

पाकिस्तान के अलावा ईरान और अफगानिसतान के तस्कर भी गुजरात सीमा से लगते अरब सागर के जल मार्ग से मादक पदार्थों को पार कराने या गुजरात के रास्ते भारत में मादक पदार्थ भेजने की कोशिश में हैं। पिछले एक सप्ताह में बीएसएफ को कोकीन के १९ पैकेट मिले जबकि मरीन टास्क फोर्स और तटरक्षक बल को चरस के २८ पैकेट मिले।

गुजरात स्थित कच्छ-भुज के नजदीक अरब सागर के किनारे से बीते कुछ दिनों से मादक पदार्थों की बरामदगी हो रही है। एक सप्ताह में बहकर आए दो सौ करोड़ रुपये से अधिक के कोकेन और चरस के पैकेट बरामद हुए हैं। सीमा सुरक्षा बल के जवान, तटरक्षक बल और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों की नजर सीमा पार से होने वाले मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने पर लगी है।

पाकिस्तान के अलावा ईरान और अफगानिसतान के तस्कर भी गुजरात सीमा से लगते अरब सागर के जल मार्ग से मादक पदार्थों को पार कराने या गुजरात के रास्ते भारत में मादक पदार्थ भेजने की कोशिश में हैं। पिछले एक सप्ताह में बीएसएफ को कोकीन के १९ पैकेट मिले, जबकि मरीन टास्क फोर्स और तटरक्षक बल को चरस के २८ पैकेट मिले।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत २०० करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है। कच्छ के समुद्री किनारे से हर रोज मादक पदार्थों के १० से २० पैकेट मिल रहे हैं। बीएसएफ का मानना है कि जनवरी २०२४ में गुजरात एटीएस और तटरक्षक बलों ने अंतरराष्ट्रीय जल मार्ग पर एक पाकिस्तानी बोट को मादक पदार्थ की तस्करी करते पकड़ा था।

सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी उस बोट तक पहुंचते, इससे पहले ही तस्करों ने करीब १८ सौ किलोग्राम मादक पदार्थ के पैकेट समुद्र में फेंक दिए थे। माना जा रहा है कि मादक पदार्थ के ये पैकेट समुद्री लहरों के साथ बहकर अब किनारे पहुंच रहे हैं।गुजरात बीएसएफ के महानिरीक्षक अभिषेक पाठक के अनुसार, कच्छ के समुद्र तट से जिस प्रकार से मादक पदार्थ के पैकेट मिल रहे हैं, इसे लेकर बीएसएफ सतर्क है। हम देश विरोधी ताकतों के मंसूबों को पूरा नहीं होने देंगे।

अब मशहूर रेस्तरां के सांभर में मिला 'मरा हुआ चूहा'

स्वास्थ्य विभाग ने रेस्तरां के मालिक को गंभीर स्वास्थ्य और स्वच्छता उल्लंघनों का हवाला देते हुए एक नोटिस जारी किया

अहमदाबाद, २१ जून ।

अहमदाबाद के एक मशहूर रेस्तरां में परोसे गए खाने में मरा हुआ चूहा मिला। निकोल के देवी डोसा रेस्तरां में एक ग्राहक ने बताया कि उसे परोसे गए सांभर में एक मरा हुआ चूहा निकला।

बीते कुछ दिनों से देशभर से लोगों की सेहद से खिलवाड़ से संबंधित मामले सामने आ रहे है। इसी कड़ी में अब गुजरात के अहमदाबाद शहर से एक नया मामला प्रकाश में आया है। अहमदाबाद के एक मशहूर रेस्तरां में परोसे गए खाने में मरा हुआ चूहा मिला। निकोल के देवी डोसा रेस्तरां में एक ग्राहक ने बताया कि उसे परोसे गए सांभर में एक मरा हुआ चूहा निकला। रेस्तरां के कर्मचारियों को तुरंत सूचित करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने से निराश ग्राहक ने अहमदाबाद नगर निगम को सूचित किया। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने रेस्तरां के मालिक अल्पेश केवड़िया को गंभीर स्वास्थ्य और स्वच्छता उल्लंघनों का हवाला देते हुए एक नोटिस जारी किया। खबरों के अनुसार अधिकारियों ने रेस्तरां को सील कर दिया है।

स्वास्थ्य विभाग के नोटिस के मुताबिक, रेस्तरां की स्वच्छता के बारे में परेशान करने वाली बातें सामने आई हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, रसोई का स्थान खुला था, जहां सड़क किनारे के जानवर आसानी से घुस सकते थे। इससे खाद्य सुरक्षा को गंभीर खतरा था। अधिकारियों ने भोजन को असुरक्षित घोषित कर दिया और परिसर को सील कर दिया।

अधिकारियों के अनुसार, मालिक से आगे की कार्रवाई और दंड से बचने के लिए तुरंत समस्याओं को ठीक करने के लिए भी कहा गया है। अधिकारियों ने ग्राहकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए सख्त स्वच्छता मानकों को बनाए रखने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। पीड़ित ने इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस वीडियो पर कई यूजर्स अपनी अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे है। एक यूजर ने लिखा, हमेशा थोड़ी महंगी जगहों को प्राथमिकता दें। एक अन्य ने लिखा, आजकल गुजरात में स्वास्थ्य के लिए क्या हो रहा है। कृपया मैं खाद्य एवं औषधि विभाग से अनुरोध करता हूं कि वे पैसे न लें और ऐसे होटलों को मंजूरी न दें। एक व्यक्तिने साझा किया, इन दिनों ऐसी घटनाएं बहुत बढ़ गई हैं। हर दिन २/३ जगहें ऐसी ही होती हैं। एक ने लिखा, होटल को सील कर दें।

हाल ही में एक और परेशान करने वाली घटना सामने आई जब एक परिवार को हर्षे के चॉकलेट सिरप की सीलबंद बोतल में एक मरा हुआ चूहा मिला। परिवार ने अपने भयावह अनुभव को साझा करने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लिया, जिसने जल्द ही व्यापक ध्यान आकर्षित किया। उनके सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार, सिरप पीने वाले परिवार के तीन सदस्यों को तुरंत अस्पताल ले जाना पड़ा, परिवार का संदेह तब पैदा हुआ जब उन्होंने देखा कि चॉकलेट सिरप में असामान्य रूप से गाढ़ापन था। सिरप को डिस्पोजेबल कप में डालने और उसे धोने के बाद, करीब से जाँच करने पर उनकी सबसे बड़ी आशंकाएँ सच साबित हुईं। उन्होंने पाया कि अंदर एक मरा हुआ चूहा था। तत्काल कार्रवाई न किए जाने से निराश परिवार ने अपना दुखद अनुभव साझा किया। जवाब में हर्षे ने उन्हें समस्या को तुरंत हल करने के लिए सीधे कंपनी से संपर्क करने का आग्रह किया।

एनएसयूआई और युवक कांग्रेस ने नीट मुद्दे पर अहमदाबाद में किया जोरदार प्रदर्शन किया

अहमदाबाद (ईएमएस) एनएसयूआई ने नीट परीक्षा घोटाले के खिलाफ गुजरात विश्वविद्यालय अहमदाबाद में धरना प्रदर्शन का नेतृत्व किया और भाजपा सरकार की पेपर-लीक नीति के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। नीट परीक्षा रद्द करने, 23 लाख अभ्यर्थियों को न्याय देने की मांग को लेकर गुजरात विधानसभा कांग्रेस पार्टी के उपनेता शैलेश परमार, गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष इंद्रविजयसिंह गोहिल के नेतृत्व मं अहमदाबाद गुजरात विश्वविद्यालय में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नेताओं ने धरना प्रदर्शन किया.। पैसा दो...पेपर लो..., पैसा दो...एडमिशन पाओ के जोरदार नारों के साथ भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर करने और देने के लिए सांकेतिक रूप से हजारों रुपये (मनोरंजन बैंक) फूंककर जमकर विरोध जताया गया। बता दें कि नीट पेपर लीक और कदाचार को लेकर कांग्रेस देशभर में विरोध प्रदर्शन कर रही हैं अहमदाबाद में गुजरात यूनिवर्सिटी के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किर्या उस दौरान पुलिस ने कांग्रेस के कई कार्यकर्ता और नेताओं को हिरासत में ले लिर्या नीट में गड़बड़ी की जांच करो, पैसा दो...पेपर लो...पैसा दो...प्रवेश लो...भाजपा मॉडल, परीक्षा पे पर चर्चा, पेपर लीक पर चुप्पी, परीक्षा में भ्रष्टाचार, भाजपा ने बनाया शिष्टाचार, पेपर लीक रोकने के लिए सख्त कानून बनाएं जैसे बैनर और पोस्टर लेकर जोरदार प्रदर्शन किर्या धिरना प्रदर्शन में युवा कांग्रेस अध्यक्ष हरपाल सिंह चुडासमा, एनएसयूआई अध्यक्ष नरेंद्र सोलंकी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने नीट मुद्दे पर छात्रों को न्याय दिलाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किर्या उस दौरान पुलिस की ओर से बार-बार बल प्रयोग किया गर्या इसके बावजूद एनएसयूआई और युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में आक्रामक होकर धरना प्रदर्शन में शामिल हुए और भाजपा सरकार की पेपर लीक नीति के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किर्या चूंकि नीट परीक्षा देनेवाले वाले 23 लाख अभ्यर्थियों का भविष्य अंधकारमय है, इसलिए भाजपा सरकार घोषणा करे कि वह छात्रों के भविष्य के लिए क्या कदम उठाना चाहती है । नीट परीक्षा की पूरी प्रक्रिया रजिस्ट्रेशन के दिन से ही सवालों के घेरे में थी नीट परीक्षा के रजिस्ट्रेशन से लेकर परीक्षा के नतीजे तक सरकार द्वारा कई संदेहास्पद फैसले लिए गए हैं ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गांधीनगर संसदीय क्षेत्र को दी 30 स्मार्ट स्कूलों की भेंट

गांधीनगर (ईएमएस)केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अपने लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में 36.44 करोड़ रुपए की लागत से तैयार आधुनिक सुविधाओं से लैस 30 स्मार्ट स्कूलों का ई-लोकार्पण किया। अहमदाबाद महानगर पालिका (मनपा) के नारणपुरा अनुपम स्कूल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने स्कूल के बच्चों के विभिन्न प्रोजेक्ट देखे और उनके साथ संवाद किया। अमित शाह ने लोकसभा चुनाव 2024 में प्रचंड जनसमर्थन के साथ जीत हासिल करने और नई सरकार में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री का पदभार संभालने के बाद अपने संसदीय क्षेत्र के पहले सार्वजनिक कार्यक्रम में गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए स्मार्ट स्कूल की भेंट देने के अवसर को अपना सौभाग्य बताया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के बच्चों-विद्यार्थियों को विश्व स्तरीय और समयानुकूल शिक्षा मुहैया कराने के लिए नई शिक्षा नीति-2020 को लागू किया है। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद महानगर पालिका के स्कूल बोर्ड और नगर प्राथमिक शिक्षा समिति की ओर से संचालित 30 स्मार्ट स्कूल, कौशल विकास और वोकेशनल ट्रेनिंग एम्पावरमेंट के विनियोग के साथ गरीब बच्चों को शिक्षा के संस्कार से सिंचित करेंगे।

डाकघरों में २१ जून को विशेष मुहर लगाएगा डाक विभाग

अहमदाबाद, २१ जून ।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर गुजरात पोस्टल सर्कल ने अनूठी पहल की है। इसे यादगार बनाने के लिए विशेष मुहर लगाने की घोषणा की है। यह मुहर राज्य के आठ डाकघरों में लगाई जाएगी। ये वह डाकघर हैं जो कर्क रेखा पर स्थित हैं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को यादगार बनाने के लिए गुजरात पोस्टल सर्कल की ओर से अनूठी पहल की गई है। इसके तहत गुजरात में जिन स्थलों से होकर कर्क रेखा गुजर रही हैं वहां पर स्थित डाक घरों में योग दिवस पर योग कार्यक्रम तो होंगे ही साथ ही इस दिन इन डाकघरों में जितनी भी डाक व पार्सल आएंगे और जाएंगे उन पर विशेष मुहर भी डाक विभाग की ओर से लगाई जाएगी।

गुजरात पोस्टल सर्कल के तहत आने वाले गुजरात में ८ स्थानों से कर्क रेखा गुजरती है। इन स्थलों और यहां के डाकघरों में योग दिन को बनाने को २१ जून के दिन ही विशेष मुहर लगाई जाएगी। इसका उद्देश्य योग को महत्व देने के साथ गांववालों को उसकी महत्ता बताना है। उनकी योग कार्यक्रमों में भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी।

इन स्थलों में कच्छ जिले में कुनारिया शाखा के रुद्रमाता गांव डाकघर, पाटण जिले की धानेरा तहसील में फतेहपुरा गांव डाकघर, महेसाणा जिले का अंबालियासण डाकघर, बेचराजी डाकघर, साबरकांठा जिले में बेचराजी डाकघर, तलोद डाक क्षेत्र का घाडी शाखा डाकघर, हरसोल इलाके का वरवडा शाखा डाकघर, मोडासा क्षेत्र का सकरिया शाखा डाकघर शामिल है।

गुजरात भूकंप के झटकों से हिल गया, ३.७ रही तीव्रता

अहमदाबाद, २१ जून ।

भारत पाकिस्तान सीमा से सटा राज्य गुजरात गुरुवार रात भूकंप के झटकों से हिल गया। गुरुवार रात ९ बजकर २७ मिनट पर धरती हिलने लगी और लोग घरों से बाहर निकल आए। सुखद बात यह रही किसी को भी कहीं से कोई नुकसान नहीं हुआ है। भारत पाकिस्तान सीमा से सटा राज्य गुजरात गुरुवार रात भूकंप के झटकों से हिल गया। गुरुवार रात ९ बजकर २७ मिनट पर धरती हिलने लगी और लोग घरों से बाहर निकल आए। सुखद बात यह रही किसी को भी कहीं से कोई नुकसान नहीं हुआ है। गौरतलब है कि भूकंप का आरंभ प्लेट की सक्रियता से होती हैं। पृथ्वी के नीचे चार प्रकार की प्लेट इनर कोर, आउटर कोर, मेंटल और क्रस्ट मौजूद होती हैं। यह पृथ्वी के नीचे प्लेट्स घूमती हैं और आपस में टकराती है, तो पृथ्वी की सतह के नीचे भूचाल उत्पन्न होता है। इससे ये प्लेट्स अपनी जगह से खिसकती है तो भूकंप की स्थिति बनती है।

कितना रिक्टर स्केल विनाशकारी है - १.९ रिक्टर, इस तीव्रता के भूकंप सिर्फ सीज्मोग्राफ पर ही दर्ज होते हैं। ऐसे १० हजार भूकंप रोज आते हैं। २.९ रिक्टर स्केल, २.९ रिक्टर स्केल के भूकंप से बहुत हल्का सा कंपन महसूस होता है। ३.९ रिक्टर स्केल, इसमें ऐसा लगता है जैसे करीब से कोई गाड़ी निकल गई हो ४.९ रिक्टर स्केल, इसमें घर की दीवार पर टंगी तस्वीरें गिर सकती हैं। इमरतों को भी नुकसान हो सकता है, ५.९ रिक्टर स्केल, इसमें मकान की दीवारों में दरारें भी आ सकती हैं. ६ – ६.९ रिक्टर स्केल, इसमें कच्चे घर ढ़हा जाते जाते हैं। मकानों को नुकसान होता है। हर साल ऐसे करीब २०० भूकंप आते हैं. ७.९ रिक्टर स्केल, ये भूकंप विनाशकारी होते हैं। इसमें सुनामी आती है। मकान गिर जाते है। ८.९ रिक्टर स्केल, जानमाल का बहुत नुकसान होता है। शहर तबाह हो जाते हैं। ९.९ रिक्टर स्केल, इस स्टेज पर पृथ्वी के बड़े हिस्से का नाश हो जाएगा। १० रिक्टर स्केल, इसके आने पर शायद ही धरती पर कोई बचे, ११ रिक्टर स्केल, मनुष्य जीवन बचना मुश्किल हो जाएगा और सभी जीव जन्तु मारे जाएंगे, १२ रिक्टर स्केल, धरती के दो टुकडे हो जाएंगे और धरती पर जीव नाम की कोई चीज नहीं बचेगी ।

व्रज आयरन एंड स्टील लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम 26 जून, 2024 को खुलेगा

अहमदाबाद, 21 जून, 2024: व्रज आयरन एंड स्टील लिमिटेड (वीआईएसएल या कंपनी), बुधवार, 26 जून, 2024 को इक्विटी शेयरों के अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के संबंध में अपनी बोली/निर्गम खोलेगी।

प्रत्येक रु. 10 अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों का कुल निर्गम साइज़रु.1,710 मिलियन रु. 171 करोड़.है, जिसमें नया निर्गम (फ्रेश इश्यू) शामिल है। एंकर निवेशक बोली की तिथि मंगलवार, 25 जून, 2024 होगी। बोली/निर्गम शुक्रवार, 28 जून, 2024 को सदस्यता के लिए बंद हो जाएगा।

निर्गम का प्राइस बैंड रु. 195 से रु. 207 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 72 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 72 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियां लगाई जा सकती हैं। (प्राइस बैंड)।

कंपनी **(i)** बिलासपुर प्लांट में विस्तार परियोजना के तहत पूंजीगत व्यय के लिए शुद्ध आय का उपयोग करने का प्रस्ताव करती है, जिसका अनुमान रु. 1,645 मिलियन रु. 164.50 करोड़.है और साथ ही **(ii)** सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए शेष राशि का उपयोग किया जाएगा। (''इश्यू का उद्देश्य'')

बिलासपुर प्लांट में ''विस्तार परियोजना'' के लिए पूंजीगत व्यय के रूप में ? 1,645 मिलियन ड? 164.50 करोड़. खर्च होने का अनुमान है। कंपनी ने पहले ही एचडीएफसी बैंक से ऋण लेकर रु. 700 मिलियन रु. 70 करोड़.लगा दिए हैं, जिसे आईपीओ की शुद्ध आय से चुकाने का प्रस्ताव है। ? 945 मिलियन रु. 94.5 करोड़.की शेष राशि के लिए कंपनी ने पहले ही आंतरिक स्त्रोतों से रु. 320 मिलियन रु. 32.00 करोड़. लगा दिए हैं और आगे आंतरिक स्त्रोतों से रु. 30 मिलियन रु. 3.00 करोड़. लगाना चाहती है। शेष रु. 595 मिलियन रु. 59.5 करोड़. को वित्त वर्ष 2024-25 में आईपीओ की शुद्ध आय से वित्त पोषित किया जाना है।

रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए जाने वाले इक्विटी शेयरों को स्टॉक एक्सचेंजों बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) (''एनएसई'' बीएसई के साथ मिलकर, ''स्टॉक एक्सचेंज'') में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। इश्यू के प्रयोजनों के लिए, बीएसई नामित स्टॉक एक्सचेंज है।(''लिस्टिंग विवरण'') आर्यमन फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

राजकोट रेल मंडल पर उत्साहपूर्वक मनाया गया 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस'

पश्चिम रेलवे के राजकोट मंडल में आज 10 वां 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, उत्साहपूर्वक मनाया गया। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा प्राप्त दिशा निर्देशों के अनुसार राजकोट में कोठी कंपाउंड स्थित रेलवे क्रिकेट ग्राउंड में सुबह 06.30 बजे से लेकर 07.45 बजे तक योग सत्र का आयोजन किया गया। पतंजलि योग समिति-राजकोट के योग प्रशिक्षकों श्री गोपाल शर्मा तथा श्री किशोर राठोड के मार्गदर्शन में रेल अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को कॉमन योगा प्रोटोकॉल के अंतर्गत आसन, प्राणायाम तथा ध्यान से संबन्धित विभिन्न अभ्यासों का प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर राजकोट मंडल रेल प्रबंधक (ॲश) श्री अश्वनी कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि योग को केवल रेल कर्मचारियों को न केवल अपने दैनिक जीवन में अपनाना चाहिए अपितु अपने परिजनों को भी इस हेतु प्रेरित करना चाहिए ताकि सभी लोग शारीरिक तथा मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकें। योग अभ्यास के इस कार्यक्रम में राजकोट मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक (ॲश) श्री कौशल कुमार चौबे, पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन राजकोट की उपाध्यक्षा श्रीमती ममता चौबे व उनकी टीम, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री मनीष मेहता, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, तथा बड़ी संख्या में रेल कर्मचारी उपस्थित थे। राजकोट मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर भी रेलकर्मियों द्वारा 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, उत्साहपूर्वक मनाया गया। राजकोट स्थित कार्यक्रम का संचालन मुख्य वेलफ़ैर निरीक्षक श्री शैलेश मकवाना द्वारा किया गया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर मंगलवार, 25 जून 2024 को खुलेगा

अहमदाबाद, 21 जून, 2024: एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स भारत के स्वामित्व वाली सबसे बड़ी इंडियन मेड फॉरेन लिकर (``IMFL'') कंपनी है। इसकी प्रोडक्ट रेंज में 5 मेन कैटेगरीज शामिल हैं। व्हिस्की, ब्रांडी, रम, वोदका और जिन। कंपनी ने अपने पहले इनिशियल पब्लिक ऑफर के लिए 2 रुपए की फेस वैल्यू के साथ प्राइस बैंड रु. 267/- से रु. 281/- प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। कंपनी का घ्ड्ढ सब्सक्रिप्शन के लिए मंगलवार, 25 जून,2024 को खुलेगा और गुरु वार,27 जून, 2024 को बंद होगा। निवेशक न्यूनतम 53 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। उसके बाद 53 इक्विटी शेयरों के मल्टीपल में बोली लगाई जा सकती है।

आईपीओ में 1,000 करोड़ रुपए तक का फ्रेश इश्यू और प्रमोटरों द्वारा 500 करोड़ रुपए तक की ऑफर फॉर सेल **(OFS)** शामिल है।

नए इश्यू से प्राप्त आय में से 720 करोड़ रुपए तक का इस्तेमाल प्रीपेमेंट या उधार के एक हिस्से के शेडयूल्ड रीपेमेंट और जनरल कॉर्पोरेट पर्पज के लिए किया जाएगा।

31 दिसंबर, 2023 तक, उनके प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में व्हिस्की, ब्रांडी, रम और वोदका में घ्इ्ट के 16 प्रमुख ब्रांड शामिल थेर्ि ब्रांड जिनमें ऑफिसर चॉइस व्हिस्की, स्टर्लिंग रिजर्व, **ICONi** व्हिस्की और ऑफिसर चॉइस ब्लू शामिल हैं, 'मिलियनेयर ब्रांड' हैं या ब्रांड ने एक साल में दस लाख से अधिक 9-लीटर केस बेचे हैं।

31 मार्च 2023 तक, उनके उत्पादों को भारत के 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 79,329रिटेल आउट लेट पर बेचा गया था। **ICICI** सिक्योरिटीज लिमिटेड, नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड और आईटीआई कैपिटल लिमिटेड बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं और लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ऑफर के रजिस्ट्रार हैं। इक्विटी शेयरों को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट करने का प्रस्ताव है।

ऑफरबुक बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें क्वालिफाइड इंस्टीटयूशनल बायर्स के लिए आवंटन ऑफर का **50%** सेअधिकनहींहोगा,नॉन-इंस्टीटयूशनल बायर्स का आवंटन **15%** से कम नहीं होगा और रिटेल इंडिविजुअल बिडर्स के लिए आवंटन 35३ से कम नहीं होगा।

अहमदाबाद मंडल पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन

अहमदाबाद मंडल पर मंडल रेल प्रबंधक श्री सुधीर कुमार शर्मा की अध्यक्षता में दिनांक 21.06.2024 को मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष श्री सुधीर कुमार शर्मा द्वारा अहमदाबाद मंडल की ई-पत्रिका राजभाषा आश्रम सौरभ के 47वें अंक का अवलोकन/विमोचन किया गया। इस दौरान राजभाषा विभाग द्वारा 'कबीर जी' के जीवन पर पावर पॉइंट के माध्यम से एक रोचक प्रस्तुति दी गई और इससे संबंधित प्रश्नमंच का आयोजन किया गया। उक्त प्रश्नमंच में विजेता अधिकारियों व कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में आगे बैठक में उपस्थित अधिकारियों को राजभाषा संबंधी सूचनापरक माउस पैड का वितरण किया गया। प्रत्येक तिमाही की भांति, इस अवसर पर, हिन्दी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को मंडल रेल प्रबंधक द्वारा मंडल की विशेष पुरस्कार योजना ठ राजभाषा रत्न ठ के तहत पुरस्कृत किया।

मंडल रेल प्रबंधक ने राजभाषा विभाग को बैठक के सफल आयोजन के लिए बधाई दी एवं मंडल की पत्रिका का अवलोकन करते हुए इसकी विषय-वस्तु को सराहा तथा ट्रांसलिटरेशन व अनुवाद की सहायता से राजभाषा हिंदी को प्रोत्साहन देने की बात कही। उन्होंने कबीर जी की पीपीटी व इसके प्रस्तुतिकरण की प्रासंगिकता को सराहा व नई पीढ़ी को हिंदी साहित्य में रूचि जगाने की दृष्टि से मंडल के हिंदी पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों की सूची मंडल की वेबसाइट पर अपलोड करने की बात कही।

बैठक के उपाध्यक्ष एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (संरचना) श्री दयानंद साहू ने मंडल रेल प्रबंधक द्वारा ध्यान में लाई गई विभिन्न मदों पर विशेष ध्यान देने व कार्रवाई करने हेतु जोर दिया।

श्री साहू ने राजभाषा विभाग के कर्मियों द्वारा मंडल के 80 से अधिक स्टेशनों पर राजभाषा संपर्क अभियान चलाने की पहल की प्रशंसा की।

अहमदाबाद मंडल पर उत्साहपूर्वक मनाया गया 10वां 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस'

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर दिनांक 21.06.2024 को 10वां 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' उत्साहपूर्वक मनाया गया। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा प्राप्त दिशा निर्देशों के अनुसार अहमदाबाद मण्डल के सामुदायिक भवन साबरमती, डीजल शेड साबरमती, लोको शेड वटवा, रेलवे अस्पताल गांधीधाम तथा रेलवे इंस्टिटयूट गांधीधाम तथा मण्डल की सभी स्वास्थ्य यूनिट पर योग सत्र का आयोजन किया गया।

अहमदाबाद मण्डल के सामुदायिक भवन साबरमती में योगगुरु श्री जी.एन. कपूर ने सुबह 06.30 बजे 07.45 बजे तक रेल अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आरपीएफ स्टाफ, स्काउट गाइड,

कहा कि हमें प्रतिदिन आधा-एक घंटा योगा या एक्सर्साइज़ अवश्य करनी चाहिए जिससे हमारा स्वास्थ्य अच्छा रहे। आज कल के भाग दौड़ वाले जीवन में लोग व्यायाम/योगा नहीं करते है और बीमारियों से ग्रसित हो जाते है। रोगों से बचने एवं स्वस्थ रहने के लिए योग/एक्सर्साइज़ बहुत जरूरी है। ''योग को न केवल रेल कर्मचारियों को अपने दैनिक जीवन में अपनाना चाहिए अपितु अपने ... इस हेतु प्रेरित करना ... सभी लोग शारीरिक ... रूप से स्वस्थ रह

...ास के इस कार्यक्रम ... प्रबंधक श्री सुधीर ...्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति), श्री अनंत कुमार, अपर मण्डल रेल प्रबंधक श्री दयानंद साहू, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, अधिकारीगण, रेल सुरक्षा बल (ंइ्ट) के जवान तथा बड़ी संख्या में रेल कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री जितेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में वेलफ़ैर निरीक्षक टीम द्वारा किया गया।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95